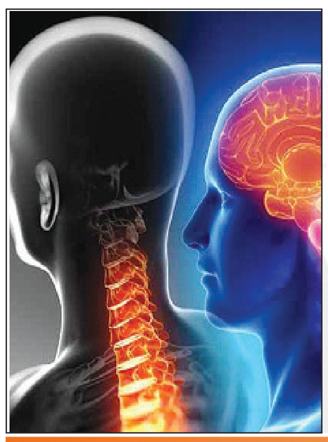

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

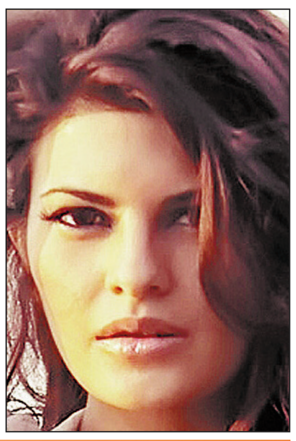

सिर और गर्दन के कैंसर का इलाज अब मिनिमली इनवेसिव सर्जरी पेज: 7

हॉरर फिल्म शैली में कदम रखने जा रही हैं जैकलीन फर्नांडीज पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 85 | शनिवार 27 जून 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

छत्तीसगढ के बस्तर में नक्सलियों पर डबल स्ट्राइक, भारी हथियार और 24 लाखों नकद बरामद

नई दिल्ली एजेंसी: पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि सुरक्षा बलों ने छत्तीसगढ़ के नारायणपुर ज़िले के जंगलों में छिपे माओवादियों के दो ठिकानों से बड़ी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद, विस्फोटक सामग्री और 24 लाख रुपये नकद बरामद किए हैं। अधिकारियों ने बताया कि 31 मार्च को छत्तीसगढ़ को हथियारबंद नक्सलवाद से मुक्त घोषित किए जाने के बाद बस्तर क्षेत्र में तलाशी अभियान तेज कर दिया गया है। टीमें माओवादियों द्वारा पहले छिपाए गए नकदी, हथियारों और विस्फोटकों का पता लगाने की कोशिश कर रही हैं। बस्तर में सात ज़िले शामिल हैं, जिनमें नारायणपुर भी है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि खास खुफिया जानकारी के आधार पर, इस हफ़्ते की शुरूआत में ओरछा और छोटेडोंगर पुलिस थाना क्षेत्रों में अलग-अलग तलाशी अभियान चलाए गए।

ड्रग्स तस्करों पर सख्ती, नशे के शिकार लोगों के लिए सहानुभूति : गृह मंत्री अमित शाह

नई दिल्ली एजेंसी: अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ दुरुपयोग और अवैध तस्करी विरोधी दिवस पर केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने नई दिल्ली में नारकोटिक्स कंट्रोल एनसीओआरडी की 10वीं शीर्ष स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। इस दौरान उन्होंने देश को नशे के खतरे से बचाने के लिए तैयार किए गए ह्यविजन डॉक्यूमेंट ऑन नारकोटिक्स कंट्रोलह्ण का भी शुभारंभ किया। संबोधन में अमित शाह ने कहा कि देश आज नशे के खिलाफ लड़ाई के बेहद निर्णायक मोड़ पर खड़ा है और आने वाले तीन साल बेहद अहम होंगे। 26 जून भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण दिन अमित शाह ने कहा कि 26 जून भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण दिन है। एक ओर देश नशे के खिलाफ प्रभावी रोडमैप तैयार कर

रहा है, वहीं आज महान साहित्यकार बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय की जयंती भी है। बंकिम बाबू ने गुलामी के दौर में देश के आत्मविश्वास को जगाने का काम किया और वंदे मातरम जैसी अमर रचना दी। आजादी की लड़ाई में अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष का सबसे बड़ा उद्घोष भी ह्यवंदे मातरम ही था उन्होंने कहा, वंदे मातरम् केवल एक नारा या गीत नहीं है। यह भारत की सांस्कृतिक चेतना, राष्ट्रभक्ति और देश के पुनर्निर्माण का मंत्र है। आजादी की लड़ाई में अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष का सबसे बड़ा उद्घोष भी वंदे मातरम ही था। इतिहास गवाह है कि देश के अनेक स्वतंत्रता सेनानी फांसी के फंदे पर चढ़ते समय भी अपने अंतिम शब्द के रूप में वंदे

इलाज, पुनर्वास और समाज की मुख्यधारा में वापस लाने पर....

उन्होंने साफ कहा कि ड्रग्स के अवैध कारोबार में शामिल अपराधियों के खिलाफ सरकार की नीति पूरी तरह बेहद सख्त होनी चाहिए। वहीं, जो लोग नशे के शिकार हैं, उनके प्रति सहानुभूति अपनाते हुए इलाज, पुनर्वास और समाज की मुख्यधारा में वापस लाने पर

मातरम का ही उच्चारण करते थे मादक पदार्थों की समस्या केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं, बल्कि देश के भविष्य से जुड़ा गंभीर मुद्दा गृह मंत्री ने कहा कि मादक पदार्थों की समस्या केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं, बल्कि देश के भविष्य से जुड़ा गंभीर मुद्दा है। उन्होंने कहा कि देश के अगले 100 वर्षों के भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए सभी सरकारों, विभागों, संतों, युवाओं और मातृशक्ति को एक मंच पर आकर संयुक्त रूप से काम करना होगा। उन्होंने कहा कि नशे के खिलाफ इस लड़ाई में समाज के हर वर्ग की भागीदारी बेहद जरूरी है। शाह ने सभी राज्यों के मुख्य सचिवों और पुलिस महानिदेशकों से अपील की अमित शाह ने सभी राज्यों के मुख्य सचिवों और पुलिस महानिदेशकों से अपील की कि राष्ट्रीय नशीले पदार्थ समन्वय पोर्टल (एनसीओआरडी) की बैठकों को केवल औपचारिकता तक सीमित न रखा जाए, बल्कि उन्हें पूरी तरह परिणाम-उन्मुख बनाया जाए। उन्होंने कहा कि बैठकों में लिए गए फैसलों का प्रभावी क्रियान्वयन हो, उनकी नियमित समीक्षा हो और कमियों का गंभीर विश्लेषण किया जाए, तभी वास्तविक सफलता मिलेगी। रियल-टाइम सूचना साझा करने पर भी विशेष जोर उन्होंने रियल-टाइम सूचना साझा करने पर भी विशेष जोर दिया। अमित शाह ने बताया कि नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने इसके लिए कई डिजिटल पोर्टल विकसित किए हैं। उन्होंने राज्यों से आग्रह किया कि सभी ड्रग्स से जुड़े मामलों का विवरण समय पर इन पोर्टल्स पर अपलोड किया जाए

आदित्य ठाकरे का बीजेपी पर तीखा हमला, मुंबई के फुटबॉल ग्राउंड को बताया 'बिल्डर लॉबी' की भेंट

मुंबई एजेंसी: शिवसेना (यूटीबी) नेता आदित्य ठाकरे ने शुक्रवार को बांद्रा वेस्ट में नेविल डिसूजा फुटबॉल ग्राउंड को कन्वेंशन सेंटर में बदलने के लिए बीजेपी की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि इस कदम से युवाओं को खेल के मैदान नहीं मिल पाएंगे और इससे कॉन्ट्रैक्टरों और बिल्डरों को फायदा होगा। एक्स पर एक पोस्ट में आदित्य ठाकरे ने लिखा, अगर आप सोच रहे हैं कि 1.4 अरब से ज्यादा आबादी होने के बावजूद भारत फीफा वर्ल्ड कप क्यों नहीं खेल रहा है, और हमारे सबसे छोटे शहरों से भी कम आबादी वाले देश क्यों खेल रहे हैं, तो सोचना बंद कर दीजिए: बीजेपी राज्य सरकार के आदेशों से समर्थित बीएमसी में बीजेपी सरकार ने अभी-अभी बांद्रा वेस्ट में नेविल डिसूजा फुटबॉल

ग्राउंड को कन्वेंशन सेंटर के लिए रिजर्व कर दिया है। एक कॉन्ट्रैक्टर को पैसे मिलेंगे, एक बिल्डर को लोकेशन का फायदा मिलेगा और कन्वेंशन सेंटर को एक बीजेपी नेता का नाम मिलेगा। आदित्य ठाकरे ने कहा कि पिछले नौ सालों में इस मैदान पर ग्रासरूट से लेकर एलीट डिवीजन तक कई टूर्नामेंट हुए हैं। उन्होंने कहा कि मुंबई फुटबॉल एसोसिएशन की गुजारिश के बावजूद, अब इस मैदान का इस्तेमाल खेलों के लिए करने पर रोक लगा दी गई है। आदित्य ने आगे कहा, पिछले 9 सालों से इस मैदान पर हर सीजन में हजारों खिलाड़ी और कई टूर्नामेंट हुए हैं। ग्रासरूट से लेकर एलीट डिवीजन तक, नेविल डिसूजा फुटबॉल ग्राउंड ने इन सभी की मेजबानी की है। अब मुंबई फुटबॉल एसोसिएशन की गुजारिश के बावजूद, उन्हें अपने ही मैदान का इस्तेमाल करने से रोक दिया गया है, और अब इस खुली जगह पर एक कॉन्ट्रैक्टर कन्वेंशन सेंटर बनाएगा। बांद्रा वेस्ट और रिक्लेमेशन, जो पहले से ही बहुत ज्यादा ट्रैफिक वाला इलाका है, वहाँ और भी ज्यादा ट्रैफिक होगा, और वह भी ठीक अस्पताल के सामने। लेकिन बीजेपी के कॉन्ट्रैक्टर और बिल्डर खुशी से मुस्कुराएंगे, जबकि बच्चे अपना खेल का मैदान खो देंगे और बांद्रा में ट्रैफिक की एक और समस्या जुड़ जाएगी।

आदित्य ने आगे कहा कि उनके पहले के विरोध-प्रदर्शनों ने मुंबई में दो और मनोरंजन के मैदानों और शहर के म्युनिसिपल ब्लड बैंकों को प्राइवेट होने से बचाया था। उन्होंने आगे कहा, मुंबई फुटबॉल एसोसिएशन के तौर पर, जाहिर है

राजनीति में प्रशांत किशोर का 'कमबैक' प्लान, बांकीपुर उपचुनाव से वापसी की तैयारी

पटना एजेंसी: पटना में होने वाला बांकीपुर उपचुनाव धीरे-धीरे बिहार के सबसे चर्चित राजनीतिक मुकाबलों में से एक बनता जा रहा है। इसकी वजह सिर्फ.इस सीट का महत्व ही नहीं है, बल्कि प्रशांत किशोर और उनकी पार्टी 'जन सुराज' जिस आक्रामक तरीके से इस लड़ाई की तैयारी कर रहे हैं, वह भी है। बिहार विधानसभा चुनावों में अच्छा प्रदर्शन न कर पाने के बाद, प्रशांत किशोर अब बांकीपुर उपचुनाव को राज्य में अपनी राजनीतिक अहमियत को फिर से स्थापित करने के एक मौके के तौर पर देख रहे हैं। इसी बीच खबर यह भी आ रही है कि प्रशांत किशोर बांकीपुर से उपचुनाव लड़ने के लिए पूरी तरीके से तैयारी कर चुके हैं।

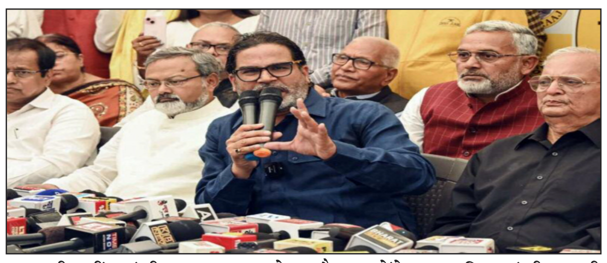

इतना ही नहीं, बांकीपुर उपचुनाव को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के कार्यकाल का पहला जनमत संग्रह बताते हुए उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि यह चुनाव सिर्फ एक विधानसभा सीट का नहीं बल्कि सम्राट चौधरी के नेतृत्व और सरकार के कामकाज पर जनता के फैसले का चुनाव होगा। इसका मतलब साफ है कि प्रशांत किशोर अब बाकी पोस्ट सीट से अपनी दावेदारी करने की तैयारी में है। उन्होंने कहा कि बांकीपुर की जनता सम्राट चौधरी के मुख्यमंत्री बनने से नाराज हैं। उनका मानना है कि 2025 विधानसभा चुनाव में बांकीपुर की जनता ने वोट सम्राट चौधरी के लिए नहीं बल्कि नीतीश कुमार के नाम पर दिया था। उन्होंने कहा कि अगर मेरे चुनाव लड़ने से भाजपा बांकीपुर जैसी मजबूत सीट हारती है तो मैं चुनाव लड़ने के लिए पूरी तरीके से तैयार हूं। प्रशांत किशोर कभी भारत के सबसे सफल चुनावी रणनीतिकारों में से एक माने जाते थे। उन्होंने नरेंद्र मोदी, नीतीश कुमार, ममता बनर्जी और अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाले अभियानों में अहम भूमिका निभाई थी। हालांकि, जब उन्होंने 'जन सुराज' के जरिए बिहार में सक्रिय राजनीति में कदम रखा, तो नतीजे उम्मीद के मुताबिक नहीं रहे। लंबी पदयात्रा और वैकल्पिक राजनीति के बार-बार किए गए वादों के बावजूद, 'जन सुराज' बिहार चुनावों में एक भी सीट नहीं जीत पाया। इस हार के बाद, विपक्षी दलों और राजनीतिक आलोचकों ने यह सवाल उठाना शुरू कर दिया कि क्या बिहार के गहरे जाति-आधारित राजनीतिक माहौल में सफलता पाने के लिए

राहुल गांधी या अरविंद केजरीवाल, किसने ज्यादा बार मांगी माफी? किरेन रिजिजू का तीखा तंज

नई दिल्ली एजेंसी: केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने शुक्रवार को राहुल गांधी और एएपी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की तुलना की। यह तुलना तब की गई जब कांग्रेस सांसद ने केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के बेटे कार्तिकेय सिंह चौहान पर की गई अपनी टिप्पणी के लिए मध्य प्रदेश हाई कोर्ट में अफसोस जताया। एक्स पर एक पोस्ट में, रिजिजू ने सवाल उठाया कि अपनी टिप्पणियों को लेकर कानूनी कार्रवाई का सामना करने के बाद इन दोनों विपक्षी नेताओं ने कितनी बार अफसोस जताया है या माफी मांगी है। रिजिजू ने पोस्ट किया, "झूठे आरोप लगाने के बाद किसने ज्यादा बार माफी मांगी है - राहुल गांधी जी ने या अरविंद केजरीवाल जी ने?" कार्तिकेय सिंह चौहान ने भोपाल की सांसद-विधायक कोर्ट में मानहानि का केस दायर किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने 2018 में मध्य प्रदेश के झाबुआ में एक चुनावी रैली के दौरान पनामा

पेपर्स स्कैंडल के सिलसिले में उनका नाम लेकर उनकी छवि खराब की। यह भाषण 2018 के मध्य प्रदेश विधानसभा चुनावों से पहले दिया गया था, जब शिवराज सिंह चौहान राज्य के मुख्यमंत्री थे। इसके बाद सांसद-विधायक कोर्ट ने राहुल गांधी को व्यक्तिगत रूप से पेश होने के लिए समन जारी किया, जिसके बाद कांग्रेस नेता ने मध्य प्रदेश हाई कोर्ट में इस आदेश को चुनौती दी। मामले की सुनवाई के बाद हाई कोर्ट ने अपना आदेश सुरक्षित रख लिया। कार्तिकेय चौहान के वकील संकल्प कोचर ने एएनआई को बताया कि भोपाल की सांसद-विधायक कोर्ट ने कार्तिकेय चौहान द्वारा दायर मानहानि के मामले में राहुल गांधी को समन जारी किया। प्रथम दृष्टया, कोर्ट ने पाया कि मामला संज्ञान लेने योग्य है और इसमें अपराध बनता है। रिजिजू की ये बातें ऐसे समय में आई हैं जब राहुल गांधी और अरविंद केजरीवाल, दोनों ही पहले कानूनी मामलों में माफी मांग चुके हैं या अफसोस जाहिर कर चुके हैं। 2019 में, गांधी ने राफेल फाइटर जेट डील मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर अपनी टिप्पणी के लिए कोर्ट से बिना शर्त माफी मांगी थी।

केतन अग्रवाल मर्डर: फडणवीस बोले 'कल्पना से परे', युवा अपराध पर समाज करे आत्ममंथन

महाराष्ट्र एजेंसी: महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को केतन अग्रवाल की हत्या पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इस घटना को सिर्फ. एक अपराध के तौर पर नहीं, बल्कि समाज की गहरी समस्याओं के आईने के तौर पर भी देखा जाना चाहिए। इसे "कल्पना से परे" बताते हुए फडणवीस ने सवाल किया कि पढ़े-लिखे और आर्थिक रूप से मजबूत परिवारों के बच्चों में ऐसी दुर्भावनापूर्ण और विनाशकारी सोच क्यों पनपती है। उन्होंने कहा कि समाज को उन वजहों पर आत्म-मंथन करने की जरूरत है जो कम उम्र में ही ऐसी सोच को आकार देती हैं। फडणवीस ने कहा कि हमें इस बारे में गहराई से सोचने की जरूरत है। असल में, इस मामले को सिर्फ. एक अपराध के तौर पर नहीं, बल्कि सामाजिक नजरिए से भी देखा जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने ऐसे माहौल और सामाजिक व्यवस्था बनाने पर जोर दिया जो बच्चों में क्रूर और बदले की भावना पैदा होने से रोके। उन्होंने कहा कि समाज को इस बात पर विचार करना चाहिए कि कैसा माहौल और व्यवस्था बनाई जाए ताकि इतनी कम उम्र में बच्चों में क्रूरता और बदले की भावना न पनपे। यह घटना वाकई बहुत चौंकाने वाली है। पुणे के रहने वाले एक बिजनेसमैन अग्रवाल की मौत 18 जून को लोहगढ़ किले में एक खाई में गिरने से हो गई; यह घटना उनके 25वें जन्मदिन से एक दिन पहले हुई थी। शुरू में इसे एक हादसा माना गया था, लेकिन बाद में जांचकताओं को ऐसे सबूत मिले जिनसे पता चला कि यह एक सोची-समझी हत्या थी, जिसके बाद उन्होंने हत्या का मामला दर्ज किया। पुलिस का आरोप है कि अग्रवाल की मंगेतर सिया गोयल और उसके कथित प्रेमी चेतन चौधरी ने मिलकर उन्हें रास्ते से हटाने की साज़िश रची थी

एलओपी के रूप में 2 साल पूरे, राहुल गांधी बोले- 'अभी लंबा सफर तय करना है', संघर्ष जारी

नई दिल्ली एजेंसी: कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने शुक्रवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता के तौर पर अपने दो साल पूरे किए और सड़क से लेकर संसद तक हर लड़ाई लड़ने का वादा किया। उन्होंने नीट और संविधान की सुरक्षा जैसे अहम मुद्दों पर काम जारी रखने का संकल्प लिया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म '' पर एक पोस्ट में गांधी ने अपने कार्यकाल पर बात करते हुए कहा कि आज मुझे लोकसभा में विपक्ष का नेता बने हुए दो साल हो गए हैं। इन दो सालों का हर एक दिन एक ही काम के लिए समर्पित रहा है झ्र हर भारतीय की आवाज को सत्ता के गलियारों तक पहुँचाना। उन्होंने मेडिकल की पढ़ाई करने के इच्छुक छात्रों के लिए अपनी सक्रियता और चुनावी धांधली को उजागर करने की अपनी कोशिशों का ज़िक्र करते हुए कहा कि चाहे नीट के छात्रों के लिए लड़ाई हो, चुनावी धांधली को बेनकाब करना हो या संविधान की रक्षा करना हो, मैं हर मोर्चे पर आपके

साथ खड़ा रहा हूं, आज भी आपके साथ हूं और हमेशा रहूंगा। गांधी ने इस बात पर जोर दिया कि जनता का समर्थन ही उनके काम की प्रेरणा रहा है कि सड़कों से लेकर संसद तक, आपका भरोसा ही मेरी सबसे बड़ी ताकत है। सफर लंबा है, लेकिन मेरा संकल्प वही हैझ्रमैं आपके लिए हर लड़ाई लड़ता रहूंगा। जून 2024 में आम चुनावों के बाद पद संभालने के साथ ही, राहुल गांधी की नियुक्ति ने लोकसभा के 16वें और 17वें सत्रों के दौरान विपक्ष के नेता का पद खाली रहने के एक दशक लंबे दौर को खत्म कर दिया। संसदीय नियमों के अनुसार, इस पद के लिए किसी पार्टी के पास 543 सीटों में से कम से कम दसवां हिस्सा (यानी 55 सीटें) होना जरूरी है; कांग्रेस पार्टी ने 2024 में 99 सीटें जीतकर इस जरूरी संख्या को पार कर लिया। यह पद 2004 में राजनीति में आने के बाद से गांधी की पहली औपचारिक संवैधानिक भूमिका है। साथ ही, सोनिया गांधी और राजीव गांधी के बाद यह तीसरी बार है जब गांधी परिवार के किसी सदस्य ने यह पद संभाला है।

राम मंदिर दान गबन पर बोले वकील हरि शंकर जैन- आरोप से नहीं, तथ्य से दोष साबित होने पर हो इस्तीफा

नई दिल्ली एजेंसी: राम मंदिर दान मामले में एसआईटी की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, वकील हरि शंकर जैन ने शुक्रवार को इस मामले से जुड़ी राजनीतिक बहस पर अपनी बात रखी। उन्होंने सभी संबंधित पक्षों से अपील की कि वे जल्दबाजी में इस्तीफे की मांग करने के बजाय तथ्यों पर ध्यान दें। उन्होंने कहा कि इस्तीफा तभी उचित है जब तथ्य अपराध को साबित करें। एएनआई से बात करते हुए हरि शंकर ने जोर दिया कि जवाबदेही बहुत जरूरी है, लेकिन इस्तीफे को बिना पुष्टि वाले आरोपों के जवाब के तौर पर नहीं, बल्कि अपराध साबित होने के नतीजे के तौर पर देखा जाना चाहिए।उन्होंने कहा कि अब तक की रिपोर्ट और जांच से यह साफ है कि राम लला को चढ़ाए गए चढ़ावे में हेरफेर, गबन और चोरी हुई है। पुलिस जांच करेगी और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कार्रवाई करेगी। हालांकि, सिर्फ. इतना ही काफी नहीं है। हमें भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कदम उठाने होंगे और एक ऐसा पुख्ता सिस्टम बनाना होगा जिससे यह पक्का हो सके कि भगवान का एक भी पैसा कभी चोरी या गबन न हो। उन्होंने जवाबदेही की मांग पर अपना रुख और साफ करते हुए कहा कि आरोपियों की

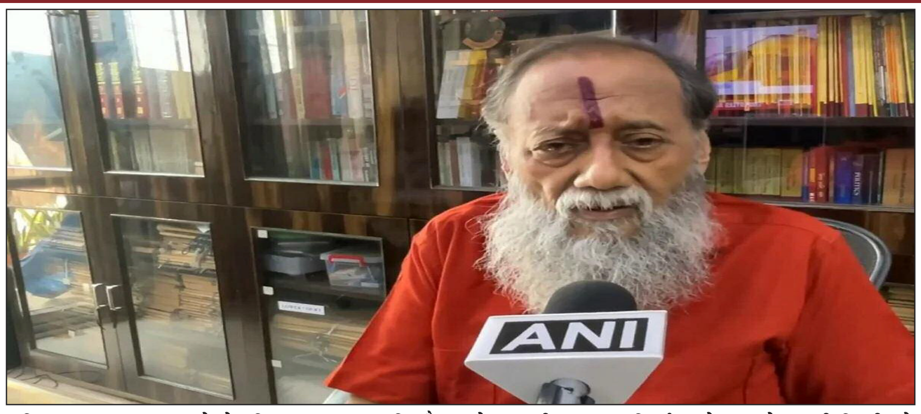

संलिप्तता का पता लगाने के लिए जांच को अपनी प्रक्रिया से आगे बढ़ने देना चाहिए। एडवोकेट जैन ने समझाया कि मैं इस बेकार की बहस में नहीं पड़ना चाहता कि किसे इस्तीफा देना चाहिए और किसे नहीं। सिर्फ. आरोप लगने पर ही किसी को इस्तीफा नहीं देना चाहिए। इस्तीफा तभी जरूरी है जब तथ्यों से दोष

पुलिस जांच करेगी और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कार्रवाई करेगी। हालांकि, सिर्फ. इतना ही काफी नहीं है। हमें भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कदम उठाने होंगे और एक ऐसा पुख्ता सिस्टम बनाना होगा

साबित हो जाए। इस बीच, विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के नेता सुरेंद्र कुमार जैन ने अयोध्या में राम जन्मभूमि मंदिर में दान के कथित दुरुपयोग की चल रही जांच पर पूरा भरोसा जताया। एएनआई से बात करते हुए, उन्होंने जोर देकर कहा कि दोषियों को सजा मिलेगी और भक्तों द्वारा दिए गए पवित्र दान के साथ धोखाधड़ी करने पर सख़्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि मुझे भरोसा है कि दोषियों को इतनी कड़ी सजा मिलेगी कि कोई और भगवान राम के काम से जुड़ी धोखाधड़ी करने की हिम्मत नहीं करेगा... अब सवाल उठाए जा रहे हैं कि कुछ अन्य नाम क्यों शामिल नहीं हैं। क्या उन्हें लगता है कि जांच तभी पूरी मानी जाएगी जब उसमें कुछ खास नाम शामिल किए जाएं? चल रही जांच की पारदर्शिता और वैधता पर, जैन ने बिना सबूत के कुछ खास नामों को शामिल करने की मांग करने वालों की मंशा पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा एसआईटी के लिए सिर्फ. किसी का नाम शामिल कर लेना या पुलिस के लिए किसी के कहने पर ही किसी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर लेना मुमकिन नहीं है। हम लोकतंत्र में रहते हैं... भारत का संविधान, न्यायपालिका और पूरा प्रशासनिक तंत्र आपकी मजी से नहीं चलता... क्या वे इस प्रक्रिया को प्रभावित करके कुछ खास लोगों को फंसाने की कोशिश कर रहे हैं?

संपादकीय

भरोसे के रिश्ते का कत्ल

आम भारतीय की स्मृति से एक साल पहले मेघालय में इंदौर की सोनम रघुवंशी द्वारा अपने हनीमून के दौरान पति राजा रघुवंशी की हत्या की घटना अभी मिटी नहीं है। सोनम ने पहाड़ी से अपने पति को धक्का देकर मौत की नींद सुला दिया था। साजिश में उसका प्रेमी राज सिंह भी शामिल था। अब ऐसा ही मामला पुणे में सामने आया है जब सिया गोयल नामक युवती ने अपने मंगेतर केतन अग्रवाल को लौहगढ़ स्थित ऊंची पहाड़ी से धक्का देकर मौत की नींद सुला दिया। दोनों धनाढ्य परिवारों से थे। इस साल की शुरूआत में सगाई हुई थी और इसी साल के अंत में उनकी शादी होने जा रही थी। हत्या की दोनों ही घटनाओं में प्रेम का दूसरा कोण मौजूद रहा। पहली घटना में खलनायक प्रेमी राज सिंह तो दूसरी घटना में चेतन चौधरी। दोनों ही घटनाओं में पति व मंगेतर को कांटा मानकर जीवन से हटाना और प्रेमी के दिखाए सब्जबाग संग जीने की उत्कट चाह थी। लेकिन ये कोई सामान्य दुर्घटनाएं नहीं हैं, एक सुनियोजित साजिश हैं,भरोसे के रिश्तों के कत्ल की। भारतीय समाज में ये घटनाएं अस्वाभाविक हैं और परिवार संस्था में भरोसा रखने वाले हर व्यक्ति को उद्वेलित करती हैं। यह समाज विज्ञानियों के लिये मंथन का विषय है कि कोई स्त्री कैसे अपने पति या होने वाली पति की हत्या करने की सोच बना लेती है? सोच बनाती ही नहीं है बल्कि उसे साजिश रचकर अंजाम भी देती है। यहां सवाल उठता है कि यदि सोनम व सिया परिवार द्वारा तय किए गए रिश्ते में नहीं बंधना चाहती तो ना कहने का साहस तो कर ही सकती थीं? निश्चय ही हत्या करने से ना कहना ज्यादा आसान है। धनाढ्य परिवार के केतन की तो अभी सगाई ही हुई थी, जिसे टाला भी जा सकता था। सिया के न चाहने पर परिवार के लोग केतन को खोने के बजाय रिश्ते को मन मारकर तोड़ देते। निश्चय ही केतन व राजा रघुवंशी की सुनियोजित हत्याएं हमें परेशान करती हैं। भले ही ये घटनाएं इक्का-दुक्का हों, लेकिन समाज के विश्वास को गहरे तक खंडित करती हैं। कोई सोच भी नहीं सकता कि किसी मधुर रिश्ते का ऐसा खौफनाक अंत हो सकता है। जिस सिया के साथ सुनहरे जीवन के सपने केतन ने देखे होंगे, उस पर तब क्या बीती होगी, जब उसने सिया को उसे पहाड़ी से धक्का देते हुए देखा होगा? उसके मां-बाप पर क्या बीत रही होगी, जिन्होंने उसकी शादी के लिये शाही तैयारियां शुरू कर दी थीं। हमारे समाज में वैवाहिक रिश्तों में पैदा होने वाली हिंसा, टकराव, अलगाव और कोर्ट-कचहरी का ट्रेंड गंभीर स्थिति की ओर इशारा करता है। सवाल यह है कि नौ महीने कोख में रखने वाली मां और खून-पसीने से लालन-पालन करने वाले पिता के सोचे-विचारे फैसलों को नई पीढ़ी द्वारा क्यों खारिज किया जा रहा है?

चिंतन-मनन

प्रोध का जवाब प्रोध नहीं

एक बार एक ब्राह्मण ने महात्मा बुद्ध को अपने घर आकर, भोजन करने का निमंत्रण दिया। जब बुद्ध वहां पहुंचे तो उन्होंने पाया कि ब्राह्मण ने उन्हें किसी अन्य मकसद से वहां बुलाया था। ब्राह्मण उनकी निंदा करने लगा और उन्हें अपशब्द कहने लगा। बुद्ध ब्राह्मण के वचनों के वार चुपचाप सहते रहे। अंत में बुद्ध ने कहा,हे ब्राह्मण जी, क्या आपके घर में मेहमान आते रहते हैं? हां, आते हैं। ब्राह्मण ने उत्तर दिया। बुद्ध ने पूछा,जब मेहमान आते हैं तो आप उनके लिए क्या भोजन बनाते हैं? ब्राह्मण ने उत्तर दिया,हम एक बड़े भोज की तैयारी करते हैं। बुद्ध ने पूछा, अगर वे नहीं आते तो आप क्या करते हैं? ब्राह्मण बोला, हम भोज स्वयं खा लेते हैं। बुद्ध बोले,अच्छा, तुमने मुझे भोजन पर बुलाया पर तुमने मेरा स्वागत कठोर वचनों और आलोचना से किया। लगता है कि जो भोज तुम मुझे परोसने वाले थे, वह इसी का है। मैं तुम्हारे द्वारा परोसे भोजन को नहीं खाना चाहता। कृपया इसे वापस ले लो और स्वयं खाओ। बुद्ध ने महसूस किया कि जो भोज उन्हें दिया गया था, वह खाद्य पदार्थों का नहीं, बल्कि गालियों का था। उन्होंने वापस मुड़कर ब्राह्मण का तिरस्कार करने और उसे अपशब्द कहने के बजाय उसके प्रोध को स्वीकार नहीं किया। बल्कि वे उस स्थान से चले गए। इस प्रकार, प्रोध उसी के साथ रहा जो उसे प्रकट कर रहा था। महात्मा बुद्ध के शिष्य यह देख रहे थे। बुद्ध ने उन्हें सलाह दी, कभी उस रूप में बदला न लो जिस रूप में सलूक आपके साथ हुआ हो। घृणा कभी घृणा से खत्म नहीं होती। कई बार हमारा सामना ऐसे लोगों से होता है जो हमें बुरा-भला कहते हैं। उनके स्तर पर उतरने की जगह हमें उनके उपहारों को स्वीकार नहीं करना चाहिए। तब उनका प्रोध उनके साथ ही रहेगा। जब हम घटना स्थल से हट जाएंगे तो वे अपने आपको, अपने प्रोध के साथ अकेला पाएंगे। वे चकित होंगे कि उनके प्रोध के बावजूद हम प्रेममय बने रहे। वे हमें आदर देने के लिए हमारे पास आ सकते हैं। जैसे दिन गुजरे और हमारा सामना ऐसे लोगों से हो जो हमारे प्रति प्रोध और आलोचना से भरे हों तो हम उनके वचनों को शांति से सुनें। हमें यह देखना चाहिए कि उनके वचनों में क्या कोई सच्चाई है। अगर ऐसा है तो हम उनके वचनों से कुछ सीखें और अपने आपको सुधारें। अगर उनके वचनों में कुछ भी सत्य नहीं है, तब हम उनके प्रोध के उपहार को स्वीकार न करें। हम उनके स्तर पर न उतर आएं। हम उनके प्रतिकूल वातावरण में शांति डालें। हमें प्रोध के उपहार को उनके पास छोड़ देना चाहिए और अपने शांत, खुशहाल रास्ते पर चल देना चाहिए।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

वर्दी का भय या कानून का विश्वास ?

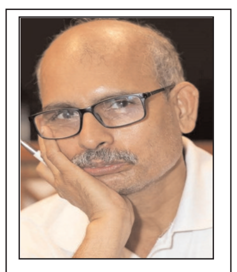

विनोद कुमार सिंह

गोड्डा की एक घटना,पत्रकार सुरक्षा और झारखंड की कानून-व्यवस्था पर उठते गंभीर सवाल...

लोकतंत्र की सफलता केवल चुनावों,सरकारों और संवैधानिक संस्थाओं से नहीं मापी जाती, बल्कि इस बात से भी आंकी जाती है कि आम नागरिक स्वयं को कितना सुरक्षित,सम्मानित और स्वतंत्र महसूस करता है।जब कोई नागरिक,सामाजिक कार्यकर्ता या पत्रकार अपने अधिकारों का प्रयोग करते हुए भयमुक्त होकर प्रश्न पूछ सकता है,तभी लोकतंत्र वास्तव में जीवंत माना जाता है।लेकिन जब कानून की रक्षा करने वाली संस्थाओं पर ही भय पैदा करने के आरोप लगने लगें,तब लोकतंत्र के सामने गंभीर प्रश्न खड़े हो जाते हैं।

गोड्डा जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के लालपुर गाँव में 25 जून 2026 को सामने आई एक कथित घटना ने ऐसे ही अनेक सवालों को जन्म दिया है।आरोप है कि सादे वेश में कुछ पुलिसकर्मी बिना नंबर प्लेट वाले वाहन से गाँव पहुँचे और स्थानीय लोगों से पूछताछ के दौरान पुलिसिया रौब दिखाया। आरोप यह भी है कि एक मान्यता प्राप्तपत्रकार द्वारा अपना परिचय पत्र दिखाने के बाद भी कथित रूप से अभद्र व्यवहार किया गया।यद्यपि इन आरोपों की निष्पक्ष जाँच और पुलिस प्रशासन का पक्ष सामने आना अभी शेष है,फिर भी यह घटनाक्रम लोकतंत्र, पत्रकारिता और पुलिस जवाबदेही पर व्यापक चर्चा की माँग करता है।सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या पत्रकार भीड़ का हिस्सा है? इसका उत्तर स्पष्ट रूप से ह्यनहींl है।पत्रकार लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है।वह न सत्ता का प्रतिनिधि होता है और न ही विपक्ष का। उसका दायित्व जनता और शासन के बीच सूचना का सेतु बनना है।संविधान के अनुच्छेद19(1)(क)के अंतर्गत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का जो अधिकार नागरिकों को प्राप्त है, पत्रकार उसी अधिकार का सामाजिक विस्तार है।उल्लेखनीय है कि इस प्रकरण से जुड़े पत्रकार पिछले लगभग तीन दशकों से देश की राजधानी दिल्ली सहित विभिन्न राज्यों में सक्रिय पत्रकारिता कर रहे हैं।वे अनेक राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय पत्रकार संगठनों, प्रेस एसोसिएशनों तथा पत्रकार मंचों से जुड़े रहे हैं और जनसरोकार,प्रशासनिक जवाबदेही, लोकतांत्रिक मूल्यों तथा ग्रामीण भारत से जुड़े विषयों पर लगातार लेखन करते रहे हैं।ऐसे में यदि किसी वरिष्ठ और मान्यता प्राप्त पत्रकार के साथ भी कथित रूप से अभद्र व्यवहार या धमकी जैसी स्थिति उत्पन्न होती है,तो यह प्रश्न केवल एक व्यक्ति की गरिमा का नहीं रह जाता,बल्कि पत्रकारों की कार्य-स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक मूल्यों की सुरक्षा से भी जुड़ जाता है।भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने अनेक अवसरों पर कहा है कि प्रेस की स्वतंत्रता लोकतंत्र की आत्मा है। यदि पत्रकार भयमुक्त नहीं रहेगा, तो जनता तक सत्य और सूचना का प्रवाह भी बाधित होगा। इसलिए किसी पत्रकार के साथ कथित दुर्व्यवहार केवल एक व्यक्ति का मामला नहीं,बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों और नागरिक स्वतंत्रता से जुड़ा विषय बन जाता है।दूसरी ओर यह भी उतना ही सत्य है कि पुलिस व्यवस्था किसी भी राज्य की रीढ़ होती है।झारखंड जैसे राज्य में पुलिस की भूमिका और भी चुनौतीपूर्ण है।राज्य लंबे समय तक नक्सलवाद,संगठित अपराध, अवैध खनन,साइबर अपराध तथा सामाजिक तनावों जैसी समस्याओं से जूझता रहा है।हाल के वर्षों में झारखंड पुलिस ने अपराध नियंत्रण और उग्रवाद विरोधी अभियानों में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। अपराधियों की गिरफ्तारी,अवैध हथियारों की बरामदगी और साइबर अपराध के विरुद्ध कार्रवाई पुलिस की महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ रही हैं।

गोड्डा जिला भी इससे अछूता नहीं है। जिले में समय-समय पर अवैध हथियारों,आपराधिक गिरोहों,भूमि विवादों तथा संगठित अपराधों के विरुद्ध अभियान चलाए जाते रहे हैं। ऐसे में पुलिस को कई बार त्वरित और संवेदनशील कार्रवाई करनी पड़ती है,लेकिन लोकतंत्र में किसी भी कार्रवाई की वैधता केवल उसके उद्देश्य से नहीं,बल्कि उसकी प्रक्रिया से भी तय होती है। यही वह बिंदु है जहाँ नागरिक अधिकारों और पुलिस शक्तियों के बीच संतुलन आवश्यक हो जाता है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 प्रत्येक नागरिक को गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार देता है। इसका अर्थ यह है कि किसी भी व्यक्ति के साथ अपमानजनक व्यवहार नहीं किया जा सकता।यदि पुलिस पूछताछ करती है तो नागरिक को यह जानने का अधिकार है कि उससे पूछताछ करने वाला व्यक्ति कौन है और किस अधिकार के तहत कार्रवाई कर रहा है।सवाल यह भी है कि यदि पुलिस सादे वेश में कार्रवाई कर रही हो तो उसकी पहचान सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी किसकी है?आज के दौर में जब अपराधी भी स्वयं को पुलिस बताकर लोगों को ठगने लगे हैं,तब आम नागरिक के मन में संदेह होना स्वाभाविक है।इसलिए पारदर्शिता केवल नागरिक का अधिकार नहीं,बल्कि पुलिस प्रशासन की भी आवश्यकता है।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी)के आँकड़े बताते हैं कि झारखंड के सामने अपराध नियंत्रण की चुनौती अभी भी बनी हुई है। हत्या,साइबर अपराध, महिलाओं के विरुद्ध अपराध और आर्थिक अपराध जैसी समस्याएँ राज्य के लिए गंभीर चिंता का विषय हैं। ऐसी परिस्थितियों में पुलिस को अधिक अधिकार और संसाधन मिलना चाहिए, लेकिन उतनी ही मजबूती से जवाबदेही की व्यवस्था भी सुनिश्चित होनी चाहिए।

लोकतंत्र का मूल सिद्धांत यह है कि कोई भी व्यक्ति कानून से ऊपर नहीं है।यह सिद्धांत नागरिक पर भी लागू होता है और वर्दी पर भी। पुलिस की शक्ति संविधान से आती है, भय से नहीं।यदि किसी नागरिक या पत्रकार को यह महसूस हो कि उसके साथ अन्याय हुआ है,तो उसे शिकायत करने, जाँच की माँग करने और न्याय पाने का अधिकार है।आज आवश्यकता पुलिस बनाम पत्रकार की बहस की नहीं है। आवश्यकता पुलिस और पत्रकार के बीच विश्वास बहाली की है। दोनों ही लोकतंत्र की सेवा कर रहे हैं। पुलिस अपराधियों के विरुद्ध कार्रवाई करती है और पत्रकार उस कार्रवाई को जनता तक पहुँचाता है। दोनों का लक्ष्य अंततः जनहित ही है।यदि लालपुर की घटना में लगाए गए आरोप गलत सिद्ध होते हैं, तो इससे पुलिस की प्रतिष्ठा और मजबूत होगी।यदि कहीं किसी स्तर पर चूक या दुर्व्यवहार पाया जाता है, तो निष्पक्ष कार्रवाई से जनता का विश्वास बढ़ेगा। दोनों ही परिस्थितियों में सत्य,पारदर्शिता और विधि का शासन ही लोकतंत्र का सबसे बड़ा आधार है।झारखंड पुलिस के हजारों अधिकारी और जवान कठिन परिस्थितियों में दिन-रात सेवा दे रहे हैं।उनके योगदान का सम्मान होना चाहिए।लेकिन उतना ही आवश्यक यह भी है कि आम नागरिक, पत्रकार और समाज के कमजोर वर्ग स्वयं को सुरक्षित और सम्मानित महसूस करें।लोकतंत्र में वर्दी का सम्मान और नागरिक की गरिमा–दोनों साथ-साथ चलते हैं।

कानून का राज केवल अपराधियों को पकड़ने से स्थापित नहीं होता। कानून का राज तब स्थापित होता है जब आम आदमी बिना भय के अपने अधिकारों का उपयोग कर सके, पत्रकार बिना दबाव के प्रश्न पूछ सके और पुलिस बिना पक्षपात के कानून लागू कर सके।गोड्डा जिले की यह कथित घटना चाहे जिस निष्कर्ष तक पहुँचे,उसने एक महत्वपूर्ण प्रश्न अवश्य खड़ा किया है- क्या हम भय आधारित व्यवस्था चाहते हैं या विश्वास आधारित शासन?लोकतंत्र का उत्तर स्पष्ट है।वर्दी का सम्मान होना चाहिए, लेकिन संविधान उससे भी ऊपर है। पत्रकार का सम्मान होना चाहिए, क्योंकि वह जनता की आवाज है। और सबसे बढ़कर,आम नागरिक का सम्मान होना चाहिए,क्योंकि वही लोकतंत्र का वास्तविक स्वामी है।जब वर्दी में संवेदनशीलता होगी, कलम में निर्भीकता होगी और नागरिक के मन में विश्वास होगा, तभी झारखंड की कानून-व्यवस्था वास्तव में मजबूत मानी जाएगी। यही लोकतंत्र की आत्मा है,यही संविधान की भावना है और यही भारत की सबसे बड़ी शक्ति भी।

आखिर नागरिकता साबित करने के लिए कौन-सा दस्तावेज वैध?

सौरभ वार्ष्णेय

भारत में नागरिकता को लेकर एक बार फिर राष्ट्रीय बहस तेज हो गई है। विदेश मंत्रालय द्वारा यह स्पष्ट किए जाने के बाद कि पासपोर्ट अपने-आप में नागरिकता का अंतिम और निर्णायक प्रमाण नहीं है, विपक्ष ने सरकार पर सवाल उठाए हैं, जबकि सरकार का कहना है कि नागरिकता का निर्धारण केवल किसी एक दस्तावेज से नहीं, बल्कि कानून और उपलब्ध साक्ष्यों के समग्र परीक्षण के आधार पर होता है। यह विवाद केवल कानूनी नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक अधिकारों और नागरिकों के भरोसे से भी जुड़ा है। आम नागरिक का सबसे बड़ा सवाल यही है–यदि आधार, वोटर आईडी, पैन कार्ड और यहां तक कि पासपोर्ट भी अंतिम प्रमाण नहीं हैं, तो आखिर भारतीय नागरिकता सिद्ध कैसे होगी? लोकतंत्र में सबसे बड़ी शक्ति नागरिक का विश्वास होता है। यदि नागरिक को अपने ही अधिकारों के प्रमाण को लेकर असमंजस रहे, तो यह स्थिति किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए उचित नहीं कही जा सकती। इसलिए समय की मांग है कि नागरिकता प्रमाणन की प्रक्रिया स्पष्ट, सर्वसुलभ और विवाद-मुक्त बनाई जाए, ताकि किसी भी भारतीय को अपनी नागरिकता साबित करने के प्रश्न पर अनिश्चितता का सामना न करना पड़े।

सबसे पहले यह समझना आवश्यक है कि पहचान और नागरिकता एक जैसी नहीं हैं। आधार कार्ड आपकी पहचान और निवास का प्रमाण है। वोटर आईडी मतदान के अधिकार का प्रमाण है। पैन कार्ड आयकर संबंधी पहचान है। ड्राइविंग लाइसेंस वाहन चलाने की अनुमति देता है। पासपोर्ट विदेश यात्रा और अंतरराष्ट्रीय पहचान का दस्तावेज है। लेकिन इनमें से कोई भी दस्तावेज अकेले नागरिकता का अंतिम कानूनी प्रमाण नहीं माना जाता।

आखिर नागरिकता कैसे तय होती है? भारत में नागरिकता का आधार नागरिकता अधिनियम, 1955 है। इस कानून के अनुसार नागरिकता प्राप्त करने के प्रमुख आधार हैं-जन्म के आधार पर, वंश के आधार पर, पंजीकरण द्वारा, प्राकृतिककरण द्वारा, किसी क्षेत्र के भारत में विलय के आधार पर। यदि किसी व्यक्ति की नागरिकता पर प्रश्न उठता है तो संबंधित प्राधिकारी उपलब्ध दस्तावेजों, जन्म संबंधी अभिलेखों, माता-पिता की नागरिकता, सरकारी रिकॉर्ड तथा अन्य कानूनी साक्ष्यों का समग्र मूल्यांकन करता है। कोई एक दस्तावेज हर परिस्थिति में निर्णायक नहीं होता।

हाल के वर्षों में जन्म प्रमाण पत्र को सबसे महत्वपूर्ण आधार दस्तावेजों में माना जाने लगा है, क्योंकि इससे जन्म तिथि और जन्म स्थान दोनों का रिकॉर्ड उपलब्ध होता है। लेकिन जिन लोगों का जन्म दशकों पहले हुआ और जिनके पास जन्म प्रमाण पत्र नहीं है, उनके लिए स्कूल प्रमाणपत्र, भूमि अभिलेख, पारिवारिक रिकॉर्ड, सरकारी सेवा अभिलेख तथा अन्य आधिकारिक दस्तावेज भी परिस्थितियों के अनुसार महत्वपूर्ण साक्ष्य बन सकते हैं।

विदेश मंत्रालय के स्पष्टीकरण के बाद विपक्ष ने प्रश्न उठाया कि यदि पासपोर्ट नागरिकता का अंतिम प्रमाण नहीं है, तो आम नागरिक किस दस्तावेज पर भरोसा करे। दूसरी ओर सत्तापक्ष का तर्क है कि दुनिया के अनेक देशों में भी पासपोर्ट नागरिकता निर्धारण का एकमात्र कानूनी आधार नहीं होता और विवाद की स्थिति में मूल नागरिकता रिकॉर्ड ही निर्णायक होते हैं। यह बहस संसद से लेकर राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों तक फैल चुकी है।

इस पूरे विवाद की सबसे बड़ी वजह यह है कि भारत में आज तक ऐसा कोई एकल राष्ट्रीय नागरिकता प्रमाण-पत्र नहीं है जिसे हर स्थिति में अंतिम माना जाए। परिणामस्वरूप लोग आधार, वोटर आईडी, राशन कार्ड और पासपोर्ट जैसे दस्तावेजों को ही नागरिकता का प्रमाण समझ लेते हैं, जबकि कानून की दृष्टि से इनकी भूमिका अलग-अलग है।

लोकतंत्र में केवल कानून होना पर्याप्त नहीं होता, बल्कि उसका स्पष्ट और सरल संप्रेषण भी आवश्यक है। यदि नागरिकों में यह भ्रम बना रहे कि कौन-सा दस्तावेज वैध है और कौन-सा नहीं, तो इससे अनावश्यक भय और अफवाहें फैल सकती हैं।

सरकार को चाहिए कि नागरिकता प्रमाणन संबंधी एक स्पष्ट दिशानिर्देश जारी करे, जिसमें बताया जाए कि विभिन्न परिस्थितियों में कौन-कौन से दस्तावेज स्वीकार्य होंगे। इससे प्रशासनिक विवाद भी कम होंगे और नागरिकों का विश्वास भी बढ़ेगा।

हर नागरिक को अपने जन्म, शिक्षा, परिवार और संपत्ति से जुड़े मूल सरकारी दस्तावेज सुरक्षित रखने चाहिए। दस्तावेजों का डिजिटलीकरण और समय-समय पर उनका अद्यतन कराना भी आवश्यक है। भविष्य में किसी भी कानूनी प्रक्रिया के दौरान यही रिकॉर्ड सबसे अधिक उपयोगी साबित हो सकते हैं।

नागरिकता केवल एक कानूनी स्थिति नहीं, बल्कि संविधान द्वारा प्रदत्त अधिकारों और कर्तव्यों का आधार है। इसलिए इस विषय पर राजनीति से अधिक स्पष्टता और पारदर्शिता की आवश्यकता है। नागरिकों को भ्रमित करने के बजाय सरकार को एक सरल, एकीकृत और पारदर्शी नागरिकता प्रमाणन व्यवस्था विकसित करनी चाहिए।

अब केंद्र सरकार को सोचना चाहिए कि आखिर नागरिकता साबित करने के लिए कौन-सा दस्तावेज वैध है जिसे नागरिक प्रस्तुत कर अपनी नागरिकता सिद्ध कर सके। इस सबका एक ही निराकरण है कि केंद्र सरकार को सर्वप्रथम एक पत्रकार वार्ता आयोजित कर इस नागरिकता पर स्पष्टता करनी चाहिए। ताकि देश में इसको लेकर किसी के मन में भ्रम न हो।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक, राजनीतिक विचारक है।

मादक पदार्थों का बढ़ता साम्राज्य और सिमटते सपने

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 27 से 29 जून तक होने वाली सेशेल्स यात्रा हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की सामरिक सक्रियता और वैश्विक भूमिका को नई दिशा देने वाली महत्वपूर्ण कूटनीतिक पहल मानी जा रही है। सेशेल्स के राष्ट्रीय दिवस की स्वर्ण जयंती में मुख्य अतिथि के रूप में मोदी की भागीदारी यह संकेत देती है कि भारत अब हिंद महासागर में अपने मित्र देशों के साथ सुरक्षा, विकास और समुद्री सहयोग को और मजबूत करने की रणनीति पर तेजी से आगे बढ़ रहा है।

हम आपको बता दें कि सेशेल्स 115 द्वीपों वाला छोटा द्वीपीय राष्ट्र है, लेकिन इसकी भौगोलिक स्थिति अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह मोजाम्बिक चैनल के निकट उन समुद्री मार्गों पर स्थित है, जहां से विश्व व्यापार का बड़ा हिस्सा गुजरता है। इसी कारण अमेरिका, चीन और यूरोपीय शक्तियां भी इस क्षेत्र में प्रभाव बढ़ाने का प्रयास कर रही हैं। ऐसे समय में भारत का सेशेल्स के साथ संबंध मजबूत करना हिंद महासागर में शक्ति संतुलन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

इस यात्रा का सबसे बड़ा आकर्षण भारत द्वारा सेशेल्स तटरक्षक बल को एक तीव्र गश्ती पोत सौंपना है। इससे पहले भारत दो डोर्नियर विमान, कई गश्ती नौकाएं तथा तटीय निगरानी राडार प्रणाली भी सेशेल्स को प्रदान कर चुका है। भारतीय रक्षा कर्मियों की तैनाती और संयुक्त सैन्य अभ्यासों ने दोनों देशों के रक्षा सहयोग को नई ऊंचाई दी है। समुद्री डकैती, मादक पदार्थों की तस्करी, अवैध मछली पकड़ने तथा अन्य अंतरराष्ट्रीय अपराधों से निपटने में सेशेल्स भारत पर भरोसा करता है। यही कारण है कि यह यात्रा हिंद महासागर में सामूहिक सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक निर्णायक कदम मानी जा रही है।

हम आपको बता दें कि भारत की महासागर दृष्टि के अंतर्गत सेशेल्स को विशेष स्थान प्राप्त है। भारत अब केवल द्विपक्षीय संबंधों तक सीमित नहीं रहना चाहता, बल्कि वह पूरे हिंद महासागर क्षेत्र में एक भरोसेमंद सुरक्षा साझेदार की भूमिका निभा रहा है। सेशेल्स का कोलंबो सुरक्षा सम्मेलन में पूर्ण सदस्य बनने का संकेत भी इसी व्यापक रणनीति का हिस्सा है। इस समूह में भारत, मालदीव, मॉरीशस और श्रीलंका पहले से शामिल हैं। यदि सेशेल्स भी पूर्ण सदस्य बनता है, तो हिंद महासागर में भारत के नेतृत्व वाली क्षेत्रीय सुरक्षा संरचना और मजबूत होगी।

हम आपको बता दें कि मोदी और सेशेल्स के राष्ट्रपति पैट्रिक हरमिनी के बीच होने वाली वार्ता में रक्षा सहयोग के साथ ऊर्जा, स्वास्थ्य, डिजिटल शासन, समुद्री निगरानी और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे विषयों पर भी चर्चा होगी। फरवरी 2026 में भारत ने सेशेल्स के लिए 175 मिलियन डॉलर के विशेष आर्थिक पैकेज की घोषणा की थी, जिसमें ऋण सहायता और अनुदान दोनों शामिल हैं। इसके अंतर्गत स्वास्थ्य, शिक्षा, आवास, सौर ऊर्जा, समुद्री सुरक्षा और आधारभूत ढांचे से जुड़ी अनेक परियोजनाएं शुरू की जा रही हैं। यह दशार्ता है कि भारत केवल सामरिक हितों तक सीमित नहीं है, बल्कि वह विकास साझेदारी के माध्यम से भी अपने मित्र देशों के साथ दीर्घकालिक संबंध बना रहा है।

हम आपको बता दें कि भारत और सेशेल्स के संबंध ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी अत्यंत गहरे हैं। वर्ष 1770 में भारतीयों का पहला समूह वहां पहुंचा था। आज लगभग 15 हजार भारतीय मूल के लोग वहां रहते हैं, जो कुल जनसंख्या का बड़ा हिस्सा हैं। गुजराती और तमिल समुदाय व्यापार, निर्माण और अन्य क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। मोदी का भारतीय समुदाय से संवाद दोनों देशों के सामाजिक संबंधों को और मजबूत करेगा।

यह यात्रा वैश्विक राजनीति के दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण है। पिछले कुछ वर्षों में चीन ने हिंद महासागर क्षेत्र में अपने प्रभाव का तेजी से विस्तार किया है। चीन की समुद्री परियोजनाएं, बंदरगाह निवेश और सामरिक उपस्थिति भारत के लिए चिंता का विषय रही हैं। ऐसे में सेशेल्स जैसे देशों के साथ भारत का गहरा सहयोग यह स्पष्ट संदेश देता है कि हिंद महासागर में भारत अपनी पारंपरिक भूमिका को और सशक्त बना रहा है। भारत की नीति अब केवल ह्लपड़ोसी प्रथमह्व तक सीमित नहीं रही, बल्कि वह ह्लग्लोबल साउथह्व के नेतृत्वकर्ता के रूप में भी उभरना चाहता है। सेशेल्स यात्रा इसी व्यापक रणनीतिक सोच का हिस्सा है।

इस यात्रा का एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि प्रधानमंत्री मोदी सेशेल्स की राष्ट्रीय सभा के विशेष अधिवेशन को संबोधित करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री होंगे। यह दोनों देशों के राजनीतिक विश्वास और घनिष्ठता का प्रतीक माना जा रहा है। भारतीय नौसेना के युद्धपोतों और रक्षा दल की भागीदारी भी यह दिखाती है कि दोनों देशों के संबंध केवल कूटनीतिक नहीं, बल्कि रणनीतिक साझेदारी में बदल चुके हैं।

बहरहाल, प्रधानमंत्री मोदी की सेशेल्स यात्रा हिंद महासागर में भारत की बढ़ती सामरिक शक्ति, समुद्री सुरक्षा नीति और वैश्विक प्रभाव का महत्वपूर्ण संकेत है। यह यात्रा भारत को क्षेत्रीय सुरक्षा संरचना के केंद्र में स्थापित करने के साथ-साथ चीन की बढ़ती सक्रियता के बीच संतुलन बनाने में भी सहायक होगी। विकास सहायता, रक्षा सहयोग, सांस्कृतिक संबंध और समुद्री साझेदारी के माध्यम से भारत यह संदेश दे रहा है कि वह हिंद महासागर क्षेत्र में स्थिरता, सुरक्षा और साझा समृद्धि का सबसे भरोसेमंद साझेदार बनना चाहता है।

मोहर्रम के मद्देनजर डीएम-एसपी ने किया फ्लैग मार्च, ताजियेदारों से की मुलाकात

अफवाहों पर न दें ध्यान, शांति बनाए रखना प्राथमिकता

अमरोहा (सब का सपना):- मोहर्रम के दृष्टिगत शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव एवं जिलाधिकारी नितिन गौड़ ने थाना अमरोहा नगर क्षेत्र में पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों के साथ फ्लैग मार्च किया। फ्लैग मार्च के दौरान अधिकारियों ने संवेदनशील व प्रमुख मार्गों का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और आमजन में सुरक्षा व विश्वास का माहौल बनाया। इस दौरान डीएम-एसपी ने ताजियेदारों से मुलाकात कर मोहर्रम के जुलूस व ताजियों को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। अधिकारियों ने सभी से आपसी भाईचारे, सौहार्द एवं शांतिपूर्ण वातावरण में मोहर्रम संपन्न कराने की अपील की। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस दौरान कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है।

किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न देने तथा संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने को कहा गया। जनपद पुलिस द्वारा मोहर्रम को सकुशल एवं शांतिपूर्ण संपन्न कराने हेतु व्यापक सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं। संवेदनशील स्थलों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है तथा लगातार भ्रमण एवं निगरानी की जा रही है।

रात्रि में जिले भर में चला सघन चेकिंग अभियान, संदिग्ध वाहन व व्यक्ति खंगाले

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में अपराध नियंत्रण और कानून व्यवस्था को मजबूत करने के लिए शुक्रवार रात्रि पुलिस ने जिले भर में विशेष चेकिंग अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन में सभी थाना क्षेत्रों में एक साथ यह कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान थाना प्रभारियों ने पुलिस टीमों के साथ अपने-अपने क्षेत्र के प्रमुख चौराहों, तिराहों, बैरियरों और संवेदनशील स्थानों पर नाकाबंदी की। पुलिस ने रातभर आने-जाने वाले संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की गहनता से तलाशी ली। वाहन चालकों के दस्तावेज और पहचान पत्र जांचे गए। संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी गई।पुलिस अधीक्षक ने बताया कि जनपद में शांति व्यवस्था बनाए रखने और अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए समय-समय पर इस तरह के अभियान चलाए जाते हैं। आमजन की सुरक्षा पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

अमरोहा पुलिस ने जनपदवासियों से अपील की है कि यदि उन्हें कोई संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि दिखाई दे तो तुरंत नजदीकी थाने या डायल-112 पर सूचना दें। पुलिस ने भरोसा दिलाया कि सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

एसडीएम व तहसीलदार ने गंगा तटीय गांवों का किया निरीक्षण

बाढ़ से निपटने के लिए संवेदनशील स्थानों को किया चिन्हित,सुरक्षा का दिया भरोसा

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा तहसील क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांवों में शुक्रवार को एसडीएम शैलेश कुमार दुबे एवं व तहसीलदार मूसाराम थारू ने निरीक्षण किया। इस निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र अंतर्गत आने वाले गांवों में मानसून के दौरान बाढ़ से प्रभावित होने वाले स्थानों को चिन्हित कर उनकी सुरक्षा की तैयारियों को सुनिश्चित करना रहा। निरीक्षण के दौरान एसडीएम शैलेश कुमार दुबे व तहसीलदार मूसाराम थारू ने गंगा किनारे बसे संवेदनशील गांवों का दौरा किया उन्होंने बाढ़ से संबंधित ग्रामीणों से चर्चा करते हुए उनकी समस्याएं सुनी और मानसून आने से पहले उनकी सुरक्षा व्यवस्था हेतु इंतजाम पूरे करने का आश्वासन दिया। बता दें कि एसडीएम शैलेश कुमार दुबे और तहसीलदार मूसराम थारू के नेतृत्व में प्रशासनिक टीम ने विशावली, मीरापुर, शिशोवाली, जाटों वाली, बुड्ढी वाली, मंदिर वाली और दारानगर सहित गंगा तटीय गांवों का भ्रमण किया। अधिकारियों ने इन गांवों की भौगोलिक स्थिति का जायजा लिया और उन स्थानों को चिह्नित किया जहां बाढ़ का पानी सबसे पहले पहुंचता है।दौरे के दौरान, अधिकारियों ने चौपाल लगाकर ग्रामीणों से बाढ़ संबंधी विस्तृत चर्चा की। एसडीएम ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि प्रशासन हर परिस्थिति से निपटने के लिए तैयार है। उन्होंने ग्रामीणों से मानसून के दौरान सतर्क रहने और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत तहसील प्रशासन को सूचित करने की अपील की। ग्रामीणों ने भी अपने पिछले अनुभवों के आधार पर सुरक्षात्मक उपायों के सुझाव दिए।एसडीएम ने मौके पर मौजूद राजस्व कर्मियों को मानसून शुरू होने से पहले सभी बचाव कार्य और आवश्यक प्रबंध पूरे करने के कड़े निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि राहत शिविरों की स्थिति, नावों की उपलब्धता और राशन-दवाइयों के अग्रिम स्टॉक की व्यवस्था समय पर दुरुस्त कर ली जाए।

इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।इस अवसर पर क्षेत्रीय लेखपाल विक्की वर्मा, दिनेश यादव, सुमित यादव सहित अन्य राजस्व कर्मी और बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे।

डिडौली क्षेत्र में हजरत इमाम हुसैन और कर्बला के शहीदों की याद में निकले मोहर्रम के ताजिए,जुलूस शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न

डिडौली/अमरोहा (सब का सपना):- डिडौली थाना क्षेत्र में मोहर्रम के अवसर पर हजरत इमाम हुसैन एवं कर्बला के शहीदों की याद में मोहर्रम के ताजिए और मातमी जुलूस निकाले गए। इस दौरान जुलूस को विभिन्न गांवों से होकर अकीदत और एहतराम के साथ बड़े शांतिपूर्ण ढंग से निकाला गया और जुलूस सकुशल संपन्न हुआ। बता दें कि अकीदतमंदों ने "या हुसैन" और "या अब्बास" के नारों के साथ गम-ए-हुसैन मनाया। उन्होंने मजलिसों में शिरकत की, मातम किया और कर्बला के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। सुबह से ही इबादतगाहों और इमामबाड़ों में मजलिसों का सिलसिला जारी रहा।रोजेदारों ने दुआओं के साथ इंसानियत, सब्र, कुबार्नी और हक की राह पर चलने का संदेश दिया। इसके बाद ताजिए पूरे अदब के साथ निर्धारित मार्गों से होते हुए कर्बला तक ले जाए गए।थाना क्षेत्र के पतेई खालसा में जरीफ, मुबारकपुर नूरी में इस्लाम, कनपुरा में मुशाहिद, पायती कलां में यामीन, पलोली में शकील और चौधरपुर में मेहंदी हसन की देखरेख में ताजिए और मातमी जुलूस निकाले गए। इन जुलूसों में बड़ी संख्या में लोगों ने इमाम हुसैन की कुबार्नी को याद किया और सब्र, इंसाफ तथा इंसानियत के रास्ते पर चलने का संकल्प लिया। मुहर्रम के अवसर पर क्षेत्र में अमन और भाईचारे का माहौल बना रहा। स्थानीय प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पूरी मुस्तैदी बरती। पुलिस बल जुलूसों के साथ मौजूद रहा और संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी गई, जिससे सभी धार्मिक कार्यक्रम शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुए।अकीदतमंदों ने बताया कि कर्बला का पैगाम केवल एक समुदाय के लिए नहीं, बल्कि पूरी इंसानियत के लिए है।

हजरत इमाम हुसैन (अ.स.) की शहादत जुल्म के खिलाफ खड़े होने, सच का साथ देने और इंसाफ की राह पर चलने की प्रेरणा देती है।

भाकियू बीआर आंबेडकर के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिग्विजय भाटी जिलाबदर घोषित, मोहल्ले में डुगडुगी पिटवाकर कराई मुनादी

हसनपुर पुलिस ने दी चेतावनी, क्षेत्र में दिखे तो तुरंत दें सूचना, होगी कड़ी कार्रवाई

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी कार्रवाई के तहत थाना हसनपुर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। जिला बदर किए गए भाकियू बीआर आंबेडकर के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिग्विजय भाटी के मोहल्ले में डुगडुगी पिटवाकर मुनादी कराई गई और आमजन को उसके जिला बदर होने की सूचना दी गई। एएसपी अखिलेश भदौरिया के मार्गदर्शन में जनपद में जीरो टॉलरेंस नीति के तहत अपराधियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में 3/4 गुण्डा अधिनियम में जिला बदर किए गए अभियुक्त दिग्विजय भाटी पुत्र रघुराज सिंह निवासी मोहल्ला होलीवाला, कस्बा व थाना हसनपुर के मोहल्ले में पुलिस टीम पहुंची। पुलिस ने डुगडुगी पीटकर मुनादी कराई और बताया कि अभियुक्त को 06 माह की अवधि के लिए जनपद की सीमा से निष्कासित किया गया है। मुनादी के दौरान पुलिस ने आमजन से अपील की कि यदि जिला बदर अपराधी मोहल्ले या आसपास लुक-छिपकर निवास करता दिखे तो तुरंत स्थानीय पुलिस को सूचना दें। पुलिस ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि जिला बदर अवधि में यदि अभियुक्त जनपद की सीमा में पाया गया तो उसके विरुद्ध कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

डिडौली क्षेत्र में मारपीट व फायरिंग का मामला, 6 नामजद सहित कई अज्ञात पर केस दर्ज

डिडौली/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के डिडौली कोतवाली क्षेत्र में मारपीट के दौरान फायरिंग करने का मामला सामने आया है इस मामले में कोतवाली पुलिस ने 6 लोगों के खिलाफ नामजत सहित 8 से 10 अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।पुलिस ने इस कार्यवाही को न्यायालय के आदेश पर किया है।

बता दें कि इस मामले में प्राप्त जानकारी क्या अनुसार गांव सलेमपुर नवादा निवासी जाकिर ने अपनी तहरीर में बताया कि 15 अप्रैल की देर रात वह अपने तहेरे भाई भूरा के साथ दिल्ली रोड स्थित चौधरपुर गांव के प्राथमिक विद्यालय के पास से गुजर रहे थे।आरोप है कि रहमत, अजमत, हिकमत, राशिद, आजम और रईसुद्दीन सहित आठ से दस अज्ञात लोगों ने उनकी गाड़ी रोक ली। विरोध करने पर आरोपियों ने लाठी-डंडों से मारपीट की, जिससे भूरा के सिर पर गंभीर चोट आई।जाकिर के अनुसार, एक आरोपी ने तमंचे से फायरिंग भी की और मारपीट के दौरान उनकी हाथ घड़ी छीन ली। शोर सुनकर लोगों के इकट्ठा होने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए।पीड़ित जाकिर का आरोप है कि घटना के बाद उन्होंने थाना पुलिस से शिकायत की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद उन्होंने पुलिस अधीक्षक को भी प्रार्थना पत्र भेजा, लेकिन वहां भी सुनवाई नहीं हुई।सुनवाई न होने पर जाकिर ने न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। न्यायालय के आदेश पर डिडौली थाना पुलिस ने संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

जुबिलेंट भरतीय फाउंडेशन (जेबीएफ) कराएगी मुस्कान प्रतिभा पुरस्कार परीक्षा

JUBILANT BHARTIA FOUNDATION

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जुबिलेंट भरतिया फाउंडेशन (जेबीएफ) सरकारी स्कूल में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित और सहयोग करने के उद्देश्य से मुस्कान प्रतिभा पुरस्कार परीक्षा का आयोजन करने जा रही है। बता दें कि शुक्रवार को जेबीएफ में सीएसआर से जुड़े विशाल गौरव ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ब्लाक में किसी भी मान्यता प्राप्त सरकारी स्कूल में कक्षा छह के छात्र जिनके परिवार की आय तीन लाख रुपये वार्षिक से कम हो इस परीक्षा में शामिल होने के लिए आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि मेरिट सूची के आधार पर छात्रवृत्ति के लिए चयन किया जाएगा। इनमें पचास फीसदी छात्राएं रहेंगीं।

वहीं जुबिलेंट में निदेशक जनसंपर्क सुनील दीक्षित ने बताया कि जुबिलेंट चिकित्सा, पर्यावरण, महिला सशक्तिकरण एवं शिक्षा आदि के क्षेत्र में तमाम कार्य कर रही है। मुस्कान प्रतिभा पुरस्कार परीक्षा भी इसी की एक कड़ी है।

बिजनौर में मरे सांप से खेलना युवक को पड़ा भारी, हालत गंभीर, हायर सेंटर रेफर

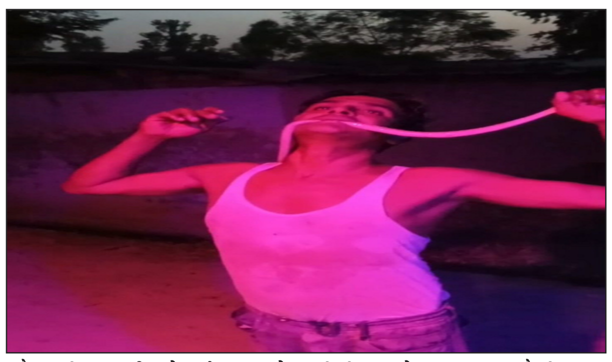

नहटौर/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद बिजनौर के नहटौर क्षेत्र में अंधविश्वास और लापरवाही का एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। घर में निकले एक सांप को मारने के बाद एक युवक ने उसके साथ खतरनाक स्टंट करना शुरू कर दिया। वह बार-बार मृत सांप को अपने मुंह में डालकर लोगों को करतब दिखाता रहा। कुछ ही देर बाद उसकी तबीयत अचानक बिगड़ गई और वह बेहोश हो गया। जानकारी के अनुसार, घटना के बाद परिजन तत्काल अस्पताल ले जाने के बजाय झाड़-फूंक के चक्कर में पड़ गए, जिससे उपचार में काफी देरी हो गई। जब युवक की हालत और अधिक गंभीर हो गई, तब उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नहटौर ले जाया गया। सीएचसी में चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद युवक की नाजुक स्थिति को देखते हुए उसे तत्काल हायर सेंटर रेफर कर दिया। चिकित्सकों का कहना है कि मृत सांप भी संक्रमण और अन्य स्वास्थ्य संबंधी जोखिम पैदा कर सकता है। किसी भी सांप, चाहे वह जीवित हो या मृत, के सीधे संपर्क में आना या उसे मुंह में डालना बेहद खतरनाक हो सकता है। घटना के बाद क्षेत्र में यह मामला चर्चा का विषय बना हुआ है। चिकित्सकों ने लोगों से अपील की है कि सांप काटने अथवा सांप से जुड़े किसी भी मामले में अंधविश्वास और झाड़-फूंक का सहारा लेने के बजाय तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचकर वैज्ञानिक और चिकित्सकीय उपचार कराएं। समय पर इलाज ही जान बचाने का सबसे प्रभावी उपाय है। फिलहाल युवक का हायर सेंटर में उपचार जारी है। उसकी स्थिति गंभीर बताई जा रही है। घटना ने एक बार फिर अंधविश्वास और जोखिम भरे स्टंट के खतरनाक परिणामों को उजागर कर दिया है।

शेरकोट में बंद मकान से 35 वर्षीय महिला का शव मिलने से सनसनी, फोरेंसिक टीम ने जुटाए साक्ष्य

शेरकोट/बिजनौर(सब का सपना):- जनपद के थाना शेरकोट क्षेत्र के मोहल्ला हकीमान में उस समय सनसनी फैल गई, जब कई दिनों से बंद पड़े एक मकान से तेज दुर्गंध आने लगी। बदबू से परेशान स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और बंद मकान का दरवाजा खुलवाकर अंदर प्रवेश किया तो वहां का दृश्य देखकर सभी स्तब्ध रह गए। कमरे के अंदर बेड पर करीब 35 वर्षीय महिला का शव औंधे मुंह पड़ा मिला। शव काफी हद तक गल-सड़ चुका था, जिससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि महिला की मौत कई दिन पहले हो चुकी थी। घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्र में लोगों की भीड़ जुट गई और तरह-तरह की चचाएं शुरू हो गईं। पुलिस ने तत्काल फोरेंसिक टीम को मौके पर बुलाया। फोरेंसिक विशेषज्ञों ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर विभिन्न साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार मृतका घर में अकेली रहती थी। उसके पति का लगभग नौ माह पूर्व निधन हो चुका था, जिसके बाद वह अकेले ही जीवनयापन कर रही थी। महिला की अचानक हुई मौत के कारणों को लेकर क्षेत्र में कई तरह की आशंकाएं व्यक्त की जा रही हैं, हालांकि पुलिस फिलहाल किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से बच रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मृत्यु के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फोरेंसिक जांच के बाद ही चल सकेगा। सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच की जा रही है। यदि जांच में कोई संदिग्ध तथ्य सामने आते हैं तो उसके आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। इस घटना के बाद मोहल्ले में शोक और दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते महिला की कोई जानकारी मिल जाती तो शायद स्थिति कुछ और होती।

बंजर भूमि प्रकरण में बड़ी कार्रवाई, राजस्व निरीक्षक निलंबित, लेखपाल की भूमिका भी जांच के घेरे में

बहजोई/संभल(सब का सपना):- तहसील गुन्नौर के ग्राम सैंडोरा स्थित गाटा संख्या-1016 की बंजर भूमि पर अवैध कब्जे और रिश्वतखोरी के आरोपों के मामले में जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल ने कड़ा रुख अपनाते हुए राजस्व निरीक्षक अमरनाथ शर्मा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। वहीं लेखपाल अनुज कुमार की भूमिका की भी जांच के निर्देश दिए गए हैं। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि ग्राम सैंडोरा की बंजर भूमि की मेढ़ काटकर काश्तकार देवेंद्र सिंह ने उसे अपने खेत में मिला लिया है। इस संबंध में 2 फरवरी को भूमि को कब्जामुक्त कराने की शिकायत की गई थी। इसके बाद शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि 3 फरवरी को राजस्व निरीक्षक अमरनाथ शर्मा और लेखपाल अनुज कुमार ने कार्रवाई के नाम पर 20 हजार रुपये लिए, लेकिन भूमि को कब्जामुक्त नहीं कराया। इस दौरान रुपये के लेन-देन से जुड़ा एक वीडियो भी वायरल हुआ। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल ने उप जिलाधिकारी गुन्नौर को निष्पक्ष जांच के निर्देश दिए। जांच में रुपये के लेन-देन से जुड़े तथ्य सामने आए, जिन्हें उत्तर प्रदेश सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956 का गंभीर उल्लंघन माना गया। जांच रिपोर्ट के आधार पर उप जिलाधिकारी गुन्नौर ने लेखपाल अनुज कुमार से स्पष्टीकरण तलब किया, जबकि राजस्व निरीक्षक अमरनाथ शर्मा के निलंबन की संस्तुति की। जिलाधिकारी ने संस्तुति पर तत्काल कार्रवाई करते हुए अमरनाथ शर्मा को निलंबित कर विभागीय जांच शुरू करने के निर्देश जारी किए। साथ ही लेखपाल की भूमिका की भी विस्तृत जांच कराने के आदेश दिए गए हैं। जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल ने स्पष्ट कहा कि शासकीय कार्यों में भ्रष्टाचार, अनियमितता अथवा कर्तव्यों के प्रति लापरवाही किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। दोषी पाए जाने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर विभागीय कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद का भव्य स्वागत, गौ संरक्षण पर सरकारों को घेरा

बहजोई/संभल (सब का सपना):- जनपद के थाना बहजोई स्थित सुमंगलम रिजॉर्ट में ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य भगवान अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज का शुक्रवार को भव्य स्वागत किया गया। धर्मप्रेमियों ने पुष्पवर्षा, वैदिक मंत्रोच्चार तथा हर-हर शंकर, जय-जय शंकर के जयघोष के साथ उनका अभिनंदन किया। अपने आशीर्वचन में शंकराचार्य ने गौ माता की दयनीय स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि गौ माता केवल एक पशु नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति की आत्मा हैं। सड़कों पर दुर्घटनाओं का शिकार हो रही गौ माता और गौशालाओं की बदहाल स्थिति के लिए प्रदेश और केंद्र सरकार दोनों समान रूप से जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा कि केवल कागजों पर योजनाएं बनाने से गौ संरक्षण संभव नहीं है। सरकारों को गौ तस्करी पर प्रभावी रोक लगाने, प्रत्येक जिले में आधुनिक गौशालाओं की स्थापना करने तथा गौचर भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए ठोस और समयबद्ध कदम उठाने होंगे। शंकराचार्य ने समाज से भी गौ संरक्षण में सक्रिय भागीदारी की अपील करते हुए कहा कि प्रत्येक हिंदू परिवार को कम से कम एक गाय पालने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि गौ सेवा और संरक्षण भारतीय संस्कृति की पहचान है और इसे जनआंदोलन का स्वरूप दिया जाना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन कृष्ण मुरारी शंखधार ने किया। इस अवसर पर असगर अली अंसारी, लाल बहादुर यादव, विमलेश कुमारी, सुनीता यादव, शोभित कुमार काका, संजीव यादव, उमेश दिवाकर, उमेश यादव, लोकेश यादव, सोनू, सुभाष पाल, पप्पू शर्मा, सद्दाम कुरैशी, प्रतीक, शिवम यादव, लव यादव, रविशंकर, मुकेश यादव, राजवीर यादव, मनोज शर्मा, दिनेश शर्मा, सुमन पाठक, कमल शर्मा, चेतन गुप्ता, मनीष यादव, नेत्रपाल यादव, धर्मवीर सिंह यादव, अभय प्रताप यादव, सूरज प्रताप यादव, विवेक मिश्रा, मुकेश गौड़, सचिन शर्मा, योगराज यादव, श्याम दीक्षित, राजकुमार शंखधार, जितेंद्र मिश्रा, दीपक मिश्रा, कृपाल सिंह फौजी, दिग्विजय, राजभान यादव, सुरेंद्र सिंह, इंद्रजीत यादव, विद्याराम यादव, राजेंद्र यादव, रवि शर्मा, रजनीश शर्मा, शिवनारायण सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन गौ माता की जय और धर्म की जय हो के उद्घोष के साथ हुआ।

चेक चोरी कर धोखाधड़ी करने के मामले में ढाई साल से वांछित आरोपी गिरफ्तार

गुन्नौर/संभल (सब का सपना):- थाना पुलिस ने चेक चोरी कर जालसाजी के माध्यम से धोखाधड़ी करने के एक पुराने मामले में सफलता हासिल करते हुए करीब ढाई वर्ष से वांछित चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की गिरफ्तारी ने लंबे समय से लंबित इस मामले में जांच को नई दिशा दी है। पुलिस के अनुसार, 24 दिसंबर 2023 को कैल निवासी सत्यपाल सिंह पुत्र रमेश चंद्र ने थाना गुन्नौर में तहरीर देकर शिकायत दर्ज कराई थी कि उनका चेक चोरी कर लिया गया और उसके जरिए जालसाजी करते हुए उनके खाते से रुपये निकालकर धोखाधड़ी की गई। शिकायत के आधार पर थाना गुन्नौर में मुकदमा भारतीय दंड संहिता के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। मामले में फरार आरोपियों की तलाश लगातार की जा रही थी। इसी क्रम में गुरुवार को थाना गुन्नौर पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए नेहरू चौक के पास से वांछित आरोपी सिद्धार्थ पुत्र वीरेंद्र, को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ मुकदमे में विधिक कार्रवाई पूरी कर उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां से आगे की कानूनी प्रक्रिया अपनाई गई। थाना पुलिस का कहना है कि धोखाधड़ी और जालसाजी जैसे आर्थिक अपराधों में संलिप्त अपराधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी है। फरार और वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है, ताकि ऐसे मामलों में पीड़ितों को न्याय दिलाया जा सके।

साहूजी महाराज के विचार आज भी सामाजिक न्याय और समान अवसर की प्रेरणा हैं:- शैलेंद्र चौधरी

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद बिजनौर में अपना दल (एस) द्वारा मनाई गई छत्रपति शाहूजी महाराज की जयंती पर पार्टी के जिला अध्यक्ष शैलेंद्र चौधरी ने बड़ा बयान देते हुए कहा कि साहूजी महाराज ने शिक्षा, सामाजिक न्याय और पिछड़े तथा वंचित वर्गों के उत्थान के लिए ऐतिहासिक कार्य किए। उनका जीवन समाज के प्रत्येक वर्ग को समान अवसर दिलाने की प्रेरणा देता है। अपना दल (एस) लंबे समय से सामाजिक न्याय और समान भागीदारी के सिद्धांतों को आगे बढ़ाने का कार्य करता रहा है। उन्होंने कहा कि साहूजी महाराज के आदर्शों पर चलकर ही एक समतामूलक और सशक्त भारत का निर्माण किया जा सकता है। समाज के अंतिम व्यक्ति तक शिक्षा, सम्मान और अधिकार पहुँचाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

शैलेंद्र चौधरी ने कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे साहूजी महाराज के विचारों को जन-जन तक पहुँचाएँ और सामाजिक समरसता, भाईचारे तथा संगठन की मजबूती के लिए निरंतर कार्य करें। उन्होंने कहा कि अपना दल (एस) समाज के हर वर्ग की आवाज बनकर उनके अधिकारों की लड़ाई लड़ता रहेगा।

डरा धमकाकर चाकू के बल पर किशोरी से दुष्कर्म

अमरगढ/बुलंदशहर (सब का सपना):- नाबालिग लड़की से चाकू के बल पर दुष्कर्म का मामला सामने आया है। घटना के बाद गांव में तनाव है। आरोपी व पीड़िता दोनों अलग-अलग पक्ष के है। पुलिस ने पीड़िता को मैडिकल परीक्षण को भेज दिया है। पुलिस ने मुकदमा पंजीकृत कर मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है। पीड़िता के परिजनों ने थाना जहांगीराबाद में तहरीर देकर इरफान पुत्र नफीस को नामजद कर बताया है कि पिछले 4/5 दिनों से किशोरी को परेशान कर रहा था। परिजन उसे लगातार समझा रहे थे। परिजनों के अनुसार आरोपी रात में पीड़िता के घर में घुस गया और चाकू के बल पर धमकी देकर दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया और किसी को भी बताने पर जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गया। घटना की जानकारी होते ही परिजन थाने पहुंचे और तहरीर दे शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने तहरीर के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी इरफान पर पाक्सो एक्ट समेत अन्य संगीन धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर लिया है। पीड़िता को मैडिकल परीक्षण के लिए महिला जिला अस्पताल भेज दिया गया है। चौकी प्रभारी अमरगढ विशाल चौधरी ने बताया कि आरोपी फरार है, गिरफ्तारी को तीन टीमें गठित की गई है। पुलिस जगह जगह दबिश दे रही है। पुलिस प्रशासन अलर्ट है। पीड़िता की उम्र 17 वर्ष है। तहरीर के अनुसार मुकदमा पंजीकृत कर दिया गया है। आरोपी को शीघ्र गिरफ्तार कर सख्त कानूनी कार्रवाई की जायेगी। पीड़िता के परिवार को पूर्ण सुरक्षा प्रदान की जायेगी।

मुहर्रम पर समाजसेवियों ने किया शरबत वितरण, राहगीरों और नमाज़ियों की बुझाई प्यास

संभल (सब का सपना):- मुहर्रम के अवसर पर जामा मस्जिद, दरबार सराय तरीन के दोनों गेटों पर समाजसेवियों द्वारा राहगीरों, नमाज़ियों और आम लोगों के लिए शरबत की सबील लगाई गई। भीषण गर्मी के बीच ठंडा शरबत वितरित कर लोगों को राहत पहुंचाई गई। समाजसेवियों ने बताया कि मुहर्रम का संदेश इंसानियत, त्याग, सेवा और भाईचारे का है। इसी भावना के तहत जुलूस में शामिल लोगों और राहगीरों को शरबत पिलाकर मानव सेवा का संदेश दिया गया। बड़ी संख्या में लोगों ने सबील पर पहुंचकर शरबत ग्रहण किया और इस नेक पहल की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान स्वयंसेवकों ने पूरी व्यवस्था संभालते हुए लोगों को व्यवस्थित ढंग से शरबत वितरित किया। समाजसेवियों ने कहा कि इंसानियत की सेवा सबसे बड़ा धर्म है और ऐसे सेवा कार्य समाज में प्रेम, भाईचारे तथा आपसी सौहार्द को मजबूत करते हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि गर्मी के मौसम में अपने-अपने मोहल्लों और प्रमुख मार्गों पर पानी, शरबत व अन्य पेय पदार्थों की सबील लगाकर जरूरतमंदों और राहगीरों की सेवा करें। उनका कहना था कि यदि हर व्यक्ति अपने दैनिक खर्च से थोड़ा-सा हिस्सा निकालकर समाज सेवा में लगाए, तो जरूरतमंदों की काफी मदद की जा सकती है। स्थानीय लोगों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए इसे सामाजिक एकता, मानव सेवा और आपसी सद्भाव का प्रेरणादायक उदाहरण बताया।

चौपाल का आयोजन कर महिलाओं व बालिकाओं को दी गई जानकारी

संभल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं व बालिकाओं के सुरक्षार्थ व स्वालंबन हेतु चलाये जा रहे मिशन शक्ति अभियान (फेज-5.0) के तहत पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार के निर्देशन में शुक्रवार को जनपद सम्भल की मिशन शक्ति टीम में नियुक्त महिला पुलिसकर्मियों द्वारा थाना क्षेत्रान्तर्गत बहु बेटी सम्मेलन कार्यक्रम में बालिकाओं को जागरुक करने के साथ ही महिला संबंधित समस्याओं के निस्तारण कराने के संबंध में चौपाल का आयोजन कर जागरुक किया गया। महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ जुड़ कर उन्हें सशक्त एवं सुरक्षित वातावरण देने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही मिशन शक्ति 5.0 (द्वितीय चरण) अभियान के अन्तर्गत जनपद की एंटी रोमियो टीम द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बा,चौराहों, स्कूलों/कॉलेजों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर महिला पुलिस कर्मियों द्वारा शासन व पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही

विभिन्न विभागों की योजनाओं तथा पुलिस विभाग से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112 इमरजेन्सी कॉल/पैनिक बटन-मोबाइल पर डेमो, सी०एम० हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन-102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्प लाईन-181, साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 आदि के बारे मे पंपलेट बांटकर जागरूक किया गया।

लखनऊ हादसे के बाद गुन्नौर में प्रशासन का एक्शन, सुरक्षा मानकों में खामी पर लाइब्रेरी बंद

गुन्नौर/संभल (सब का सपना):- लखनऊ में हुए दर्दनाक लाइब्रेरी अग्निकांड के बाद प्रशासन अलर्ट मोड पर है। गुरुवार को उप जिलाधिकारी विकास चन्द्र, क्षेत्राधिकारी अंकित मिश्रा और अग्निशमन विभाग की संयुक्त टीम ने क्षेत्र में संचालित विभिन्न लाइब्रेरी एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान सुरक्षा मानकों की अनदेखी मिलने पर एक लाइब्रेरी को तत्काल प्रभाव से बंद करा दिया गया। निरीक्षण के दौरान उमेश लाइब्रेरी, केरियर लाइब्रेरी, बृजेश लाइब्रेरी तथा सिंघल होटल की व्यवस्थाओं का बारीकी से परीक्षण किया गया। उप जिलाधिकारी ने सभी संचालकों को पर्याप्त संख्या में अग्निशमन यंत्र लगाने और अग्नि सुरक्षा के सभी मानकों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जांच में सिंघल होटल को छोड़कर अन्य प्रतिष्ठानों के मानचित्र स्वीकृत नहीं पाए गए। साथ ही आवासीय भवनों का व्यावसायिक उपयोग किए जाने की भी पुष्टि हुई। इस पर संबंधित संचालकों को उत्तर प्रदेश विनियमन अधिनियम (आरबीओ एक्ट) की धारा-10 के तहत नोटिस जारी किया गया। प्रशासन ने संचालकों को भवन का आवश्यक ले-आउट स्वीकृत कराने तथा प्रवेश और निकास मार्ग अलग-अलग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उमेश लाइब्रेरी में अग्निशमन यंत्रों की व्यवस्था नहीं मिली। साथ ही भवन का नक्शा स्वीकृत न होने और आवासीय भवन का व्यावसायिक उपयोग किए जाने के कारण प्रशासन ने लाइब्रेरी को तत्काल प्रभाव से बंद करा दिया। इस मौके पर क्षेत्राधिकारी अंकित मिश्रा, अग्निशमन विभाग के अधिकारी तथा संबंधित विभागों के कर्मचारी भी मौजूद रहे। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि जनसुरक्षा से जुड़े नियमों की अनदेखी करने वाले प्रतिष्ठानों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

साहित्यभूषण बाबू राममोहन बीकॉम की 110वीं जयंती पर विचार गोष्ठी आयोजित

चंदौसी/संभल (सब का सपना):- श्री राममोहन सेवा आश्रम (रजि.) चंदौसी के तत्वावधान में राम गली, सीता रोड स्थित राधाकुंज भवन में नगर के प्रथम स्नातक, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, इतिहासकार, साहित्यकार, पत्रकार एवं आर्य समाज के अनुयायी साहित्यभूषण बाबू राममोहन बीकॉम की 110वीं जयंती पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों ने बाबू राममोहन बीकॉम के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया। मुख्य अतिथि सेठ हरिशंकर अग्रवाल ने कहा कि बाबू राममोहन सादगी और स्वदेशी के प्रतीक थे। वे जीवनभर खादी के वस्त्र, जूते और बेल्ट का ही उपयोग करते रहे। उन्होंने वर्ष 1930 के स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय भाग लिया, जिसके चलते उन्हें एक वर्ष के कठोर कारावास की सजा हुई और मुरादाबाद कारागार में रखा गया। सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. टी.एस. पाल ने कहा कि बाबू राममोहन ने अपना संपूर्ण जीवन राष्ट्र और समाज की सेवा के लिए समर्पित किया। शिक्षा और सामाजिक क्षेत्र में उनके योगदान को आज भी सम्मानपूर्वक याद किया जाता है। उन्होंने युवाओं से उनके आदर्शों पर चलने का आह्वान किया। श्री राममोहन सेवा आश्रम के अध्यक्ष डॉ. तुमुल विजय शास्त्री ने अपने पिता के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि उनका जन्म 26 जून 1915 को चंदौसी के महाजन मोहल्ला स्थित नीम के तले लक्ष्मण दास के घर हुआ था। जब चंदौसी में स्नातक स्तर की पढ़ाई की सुविधा नहीं थी, तब उन्होंने वर्ष 1941 में कानपुर विश्वविद्यालय से बीकॉम की परीक्षा उत्तीर्ण कर नगर के प्रथम स्नातक बनने का गौरव प्राप्त किया। उन्होंने आजादी के बाद कांग्रेस छोड़कर भारतीय जनसंघ की सदस्यता ग्रहण की। मुख्य वक्ता एवं पूर्व प्रधानाचार्य त्रिमोहन यादव ने कहा कि बाबू राममोहन ने अपने जीवन में अनेक सरकारी एवं अर्द्धसरकारी पदों पर कार्य किया, लेकिन चंदौसी से गहरे लगाव के कारण कई अवसर छोड़ दिए। उन्होंने दो बार नगर पालिका चंदौसी के अधिशासी अधिकारी के रूप में भी सेवाएं दीं। विशिष्ट अतिथि योगेंद्र कुमार शर्मा ने कहा कि बाबू राममोहन ने 1970 के दशक में चंदौसी, मुरादाबाद, खुर्जा और लखनऊ में कई घी व्यापारी सम्मेलन आयोजित किए। चंदौसी में आयोजित एक बड़े सम्मेलन के बाद तत्कालीन सरकार को घी व्यापारियों की मांगें स्वीकार करनी पड़ी थीं। कार्यक्रम संयोजक डॉ. तुमुल विजय अग्रवाल ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। गोष्ठी की अध्यक्षता साहित्यकार रमेश अधीर ने की, जबकि संचालन डॉ. जयशंकर दुबे ने किया।

इस अवसर पर महेश चंद्र शर्मा, विश्व विजय एडवोकेट, अशोक मिश्रा, महेश चंद्र गुप्ता, कृष्ण अवतार गुप्ता, वाई.के. शर्मा, नरेश भारती, सुनील कुमार गुप्ता, के.के. लुम्बा, राधा अग्रवाल, सत्यभान सिंह, खुशबू अग्रवाल, कृष्ण गोपाल गुप्ता, पवन अरोड़ा सहित अनेक गणमान्य लोगों ने बाबू राममोहन बीकॉम के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर अपने विचार व्यक्त किए।

श्रीमद्भागवत कथा का श्रद्धा के साथ समापन

अनूपशहर/बुलंदशहर (सब का सपना):– अहार के अवंतिका देवी स्थित श्री रूक्मिणी बल्लभ धाम में आयोजित प्राण प्रतिष्ठा के नवम वार्षिकोत्सव के अंतर्गत चल रही सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का शुक्रवार को विधिवत समापन हो गया। अंतिम दिन कथा पंडाल में श्रृद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। कथावाचक स्वामी शिव चेतन्य ब्रह्मचारी महाराज ने भगवान श्री कृष्ण के आदर्श जीवन उनकी बाल लीलाओं का वर्णन करते हुए कहा कि भागवत कथा मानव को सत्य करूणा और सेवा का संदेश देती है। उन्होंने कहा कि भगवान की भक्ति से जीवन में सुख शांति और आत्मिक संतोष की प्राप्ति होती है।इस अवसर पर भक्तों ने गीतो व कीर्तन के माध्यम से भगवान का गुणगान किया।

पुजारी का पंखे से झूलता शव मिला

शिकारपुर/बुलंदशहर (सब का सपना):– नगर क्षेत्र में शंभू नाथ इंटर कॉलेज के पीछे स्थित चामड़ के कमरे में पुजारी का पंखे से झूलता हुआ शव मिला है। सूचना पर पहुंची पुलिस और फोरेंसिक टीम ने गहराई से जांच पड़ताल की है। शिकारपुर के मोहल्ला नौगंज निवासी बिट्टू (24 वर्ष) पुत्र फतेह शारीरिक रूप से कुबड़ा है। वह पिछले पांच सालों से चामड़ के पुजारी के रूप में व्यवस्था देख रहा था। शुक्रवार की सुबह उसका शव कमरे में कपड़े द्वारा पंखे के कुंदे से लटका हुआ मिला। पुजारी के शव लटके होने की सूचना क्षेत्र में फैल गई और लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक यज्ञदत्त शर्मा फोर्स के साथ पहुंचे और शव को नीचे उतरवा कर पीएम को भेजा गया है। पुलिस मामले को संदिग्ध मानते हुए हत्या और आत्महत्या दोनों पहलुओं को लेकर जांच कर रही है। खबर लिखे जाने तक मृतक बिट्टू पक्ष की ओर से किसी भी व्यक्ति द्वारा पुलिस को तहरीर नहीं दी गई थी।

पत्रकारों के अधिकारों और सुरक्षा को लेकर उपजा की जिला बैठक संपन्न

बुलन्दशहर (सब का सपना):– यूपी जर्नलिस्ट एसोसिएशन (उपजा) जनपद बुलन्दशहर इकाई की महत्वपूर्ण जिला बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता जिला महासचिव दीपक शर्मा ने की, जबकि संचालन जिला सचिव सर्वेश राणा ने किया। बैठक में जिले के विभिन्न समाचार पत्रों, टीवी चैनलों एवं डिजिटल मीडिया से जुड़े अनेक पत्रकारों ने भाग लिया। बैठक में पत्रकारों की सुरक्षा, अधिकारों, सामाजिक सुरक्षा, संगठन की मजबूती तथा पत्रकार हितों से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। जिला कार्यकारिणी अध्यक्ष नन्दकिशोर ने अपने संबोधन में कहा कि पत्रकारों को संगठित होकर कार्य करना होगा। यदि पत्रकार एकजुट रहेंगे तो किसी भी अधिकारी या अन्य व्यक्ति द्वारा उन पर झूठे आरोप लगाने अथवा उत्पीड़न करने का प्रयास सफल नहीं होगा। उन्होंने

संगठन की मजबूती पर विशेष बल दिया। जिला महासचिव दीपक शर्मा ने कहा कि पत्रकारों के लिए आयुष्मान भारत स्वास्थ्य कार्ड की सुविधा अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि इस मांग को लेकर शीघ्र ही जिलाधिकारी के माध्यम से सरकार को ज्ञापन सौंपा जाएगा, ताकि पत्रकारों को स्वास्थ्य सुरक्षा का लाभ मिल सके। जिला सचिव सर्वेश राणा ने कहा कि पत्रकार लोकतंत्र का चौथा स्तंभ हैं, लेकिन आज भी उन्हें अपेक्षित अधिकार और सुविधाएं प्राप्त नहीं हैं। सरकार को पत्रकारों के हितों की रक्षा के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए। जिला कोषाध्यक्ष अनिल कुमार ने कहा कि सभी पत्रकारों को आपसी मतभेद भुलाकर एकजुट रहना चाहिए, जिससे किसी भी पत्रकार को अनावश्यक मुकदमों या उत्पीड़न का सामना न करना पड़े। वरिष्ठ पत्रकार कैलाश शर्मा ने कहा कि पत्रकारों की एकता ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है और सरकारों को भी पत्रकारों की समस्याओं के समाधान के प्रति गंभीर होना चाहिए। जिला मीडिया प्रभारी जेपी गुप्ता ने पत्रकारों के लिए पेंशन योजना लागू किए जाने की मांग उठाते हुए कहा कि लंबे समय तक समाज और लोकतंत्र की सेवा करने वाले पत्रकारों को सरकार की ओर से सामाजिक सुरक्षा मिलनी चाहिए। बैठक में संगठन को और अधिक मजबूत बनाने, पत्रकार हितों की रक्षा तथा भविष्य की रणनीति पर भी विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में उपस्थित प्रमुख पदाधिकारी एवं सदस्य जिला कार्यकारिणी अध्यक्ष नन्दकिशोर लोधी, जिला महासचिव दीपक शर्मा, जिला सचिव सर्वेश राणा, जिला कोषाध्यक्ष अनिल कुमार, जिला सह-कोषाध्यक्ष के. प्रसाद, जिला मीडिया प्रभारी जेपी गुप्ता, जिला उपाध्यक्ष मोहित कौशिक, वरिष्ठ पत्रकार कैलाश शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार अनिल तोमर सहित जिले के विभिन्न मीडिया संस्थानों से जुड़े अनेक पत्रकार उपस्थित रहे।

मंडावली के कृष्णापुरी में गहराया जल संकट... एक महीने से सूखी टोंटियां, रातभर जागकर पानी का इंतजार करने को मजबूर लोग

पूर्वी दिल्ली। मंडावली स्थित कृष्णापुरी में पिछले दो माह से गहराया जल संकट लोगों के लिए बड़ी परेशानी बन गया है। हालात इतने खराब हैं कि कई घरों में पिछले एक माह से नलों में एक बूंद पानी तक नहीं आया। आरोप है कि बार-बार शिकायत के बावजूद दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारी केवल निरीक्षण कर लौट जाते हैं, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया जा रहा। पेयजल के लिए लोगों को रोजाना बाजार से बोतलबंद पानी खरीदना पड़ रहा है, जबकि जलबोर्ड की लापरवाही से खोदे गए गड्ढे अब हादसों की वजह बन रहे हैं। स्थानीय निवासियों ने बताया कि कृष्णापुरी की गली नंबर दो स्थित बंद गली में मार्च माह से पानी की आपूर्ति प्रभावित है। कभी पानी आता भी है तो वह पीने योग्य नहीं होता। बीते तीन माह से लोगों की दिनचर्या पूरी तरह बिगड़ गई है। घर का कोई न कोई सदस्य रोज रात दो बजे से जागकर पानी आने का इंतजार करता है ताकि जरूरत भर पानी जमा किया जा सके। निवासियों का कहना है कि पानी की समस्या को लेकर कई बार लिखित शिकायत दिल्ली जल बोर्ड कार्यालय में दी गई। इसके बाद अधिकारी मौके पर पहुंचे जरूर, लेकिन केवल निरीक्षण कर वापस चले गए। स्थिति यह है कि अब लोगों को पीने के पानी के साथ-साथ दैनिक उपयोग के लिए भी पानी खरीदना पड़ रहा है। कई परिवार हर दिन तीन से चार बोतल पानी खरीदने को मजबूर हैं। इससे घरेलू खर्च बढ़ गया है और आर्थिक बोझ भी बढ़ रहा है। गड्ढे बन रहे हादसे की वजह स्थानीय लोगों के अनुसार करीब 25 दिन पहले सीवर और जलापूर्ति कार्य के लिए जलबोर्ड ने घरों के सामने गड्ढे खोदे थे। लेकिन इसके बाद न तो काम आगे बढ़ा और न ही गड्ढों को भरा गया। खुले गड्ढों बच्चों और बुजुर्गों को खतरा है।दो दिन पहले बंद गली में रहने वाला वंश नामक बच्चा गड्ढे में गिरकर घायल हो गया। मामले जलबोर्ड के अधिकारियों और स्थानीय विधायक से पक्ष जानने के लिए संपर्क किया गया पर उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया।

फेक आईजीएल गैस मैसेज से ठगी करने वाले साइबर गिरोह का पदार्फाश, दिल्ली-कोलकाता और झारखंड से 4 गिरफ्तार

दक्षिणी दिल्ली। दक्षिण-पश्चिमी जिला पुलिस के साइबर थाने ने फर्जी आईजीएल गैस कनेक्शन बंद होने का मैसेज भेजकर लोगों के बैंक खाते खाली करने वाले एक संगठित साइबर ठगी गिरोह का पदार्फाश किया है। पुलिस ने इस मामले में कोलकाता से दो और झारखंड से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 20 मोबाइल फोन, कई डिजिटल डिवाइस, सोने-चांदी के सामान, नकदी और एक कार बरामद की गई है। पश्चिमी दिल्ली के पुलिस उपायुक्त अमित गोयल ने बताया कि साइबर थाने में दर्ज शिकायत के अनुसार पीड़ित के मोबाइल पर एक संदेश आया, जिसमें दावा किया गया कि उनका आईजीएल गैस कनेक्शन जल्द काट दिया जाएगा। सहायता के लिए दिए गए मोबाइल नंबर पर संपर्क करने पर ठगों ने व्हाट्सएप के जरिए एक एपीके फाइल भेजी और उसे इंस्टॉल करने को कहा। जैसे ही पीड़ित ने एप्लीकेशन डाउनलोड की, साइबर अपराधियों ने उसके मोबाइल का एक्सेस हासिल कर लिया और बैंक खाते व क्रेडिट कार्ड से करीब 2.64 लाख रुपये निकाल लिए। तकनीकी जांच से खुला पूरे नेटवर्क का राज मामले की गंभीरता को देखते हुए एसआई जगदीप नारा, हेड कांस्टेबल विकास, विनोद कुमार, हरेंद्र, प्रवीण और रीना की टीम गठित की गई। साइबर थाना एसएचओ इंस्पेक्टर प्रवेश कौशिक के नेतृत्व में जांच शुरू हुई। जांच में पता चला कि पीड़ित के क्रेडिट कार्ड से दो मोबाइल फोन खरीदे गए थे। आईएमईआई नंबर, डिलीवरी एड्रेस और मोबाइल नंबरों की जांच करने पर सामने आया कि फोन दिल्ली के शाहीन बाग स्थित एक फर्जी पते पर मंगाए गए थे। तकनीकी विश्लेषण से इन डिलीवरी का संबंध कोलकाता और झारखंड में सक्रिय साइबर नेटवर्क से जुड़ा मिला।

सीएम योगी ने केजरीवाल को बताया 'सज्जन', दिल्ली के पूर्व सीएम बोले- महाराज जी, आप मेरा साथ दें

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल शुक्रवार को अयोध्या के राम मंदिर पहुंचे और पूजा अर्चना की। इसके बाद उन्होंने हनुमान गढ़ी मंदिर भी गए और वहां पर महंत धर्मदास जी और अन्य साधु-संतों से भी मिले। वहीं सीएम योगी आदित्यनाथ ने केजरीवाल के आगमन को लेकर उनपर हमला बोला। एक जनसभा में सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि दिल्ली से एक सज्जन यहां आए। उन्होंने दिल्ली को बबार्दी और भ्रष्टाचार के सिवा कुछ नहीं दिया। इस पर केजरीवाल ने भी जवाब दिया। उन्होंने कहा कि महाराज जी। आप चंदा चोरों का क्यों साथ दे रहे हो?

ये चंदा चोर आपको भी हटाने का षड्यंत्र कर रहे हैं। आपकी कुर्सी भी नहीं छोड़ेंगे। भगवान राम चंदा चोरों को कठोर दंड देंगेः केजरीवाल केजरीवाल ने कहा कि भगवान राम के घर हुई महा डकैती के राक्षसों को सरेआम फांसी दिलवाने के मेरे संघर्ष में आप मेरा साथ दीजिए। इस महापाप में भागीदार मत बनिए। उन्होंने कहा कि हमने आज श्री राम मंदिर में रामलला के दर्शन किए और भगवान से प्रार्थना की कि जिन लोगों ने भी श्री राम मंदिर से चढ़ावा चोरी का महापाप किया है, वे उन्हें कठोर से कठोर दंड दें। भव्य मंदिर करोड़ों हिंदुओं की आस्था और गौरव का प्रतीकः केजरीवाल इससे पहले उन्होंने पोस्ट किया था कि आज अयोध्या में श्री हनुमान गढ़ी मंदिर में बजरंगबली का आशीर्वाद प्राप्त हुआ एवं महंत धर्मदास जी व अन्य साधु-महात्माओं के सानिध्य का सौभाग्य मिला। आज श्री राम मंदिर में प्रभु श्री रामलला के दर्शन का परम सौभाग्य मिला। यह भव्य मंदिर करोड़ों हिंदुओं की आस्था और गौरव का प्रतीक है। श्री राम मंदिर में प्रभु की मनमोहक मूरत की दिव्य आभा को शब्दों में पिरोना असंभव है।

एएपी सांसद संजय सिंह ने एसआईटी को सौंपे जमीन खरीद-फरोख्त के दस्तावेज, दावा- चंपत राय समेत कई बड़े फंसेंगे

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने अयोध्या के श्रीरामलला मंदिर में हुई चंदा चोरी के मामले के बीच कथित जमीन घोटाले की जांच कर रही एसआईटी को अहम दस्तावेज सौंपे हैं। आप ने दावा किया है कि इन दस्तावेजों के आधार पर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, अनिल कुमार मिश्रा, भाजपा के पूर्व मेयर ऋषिकेश उपाध्याय और उनके भतीजे दीप नारायण समेत कई लोगों के फंसना तय है। संयज सिंह ने लगाए संगीन आरोप संजय सिंह ने शुक्रवार को एसआईटी को 11 से 14 भूमि सौदों से संबंधित दस्तावेज सौंपे, जिनमें सैकड़ों करोड़ रुपये के कथित अनियमितताओं का खुलासा होने का दावा किया गया है। उन्होंने कहा कि कुछ जमीनें बहुत कम कीमत पर खरीदी गईं और उन्हें कई गुना ज्यादा दाम पर ट्रस्ट को बेचकर करोड़ों का घपला किया गया है। आप के आरोप राम मंदिर ट्रस्ट से जुड़े लोगों ने 2020 से 2024 के बीच कई संदिग्ध जमीन सौदे किए। कुछ जमीनें 2 करोड़ की 18.5 करोड़ में, 3 करोड़ की 24 करोड़ में और 9 करोड़ की 55 करोड़ रुपये में खरीदी गईं। इन संदिग्ध सौदों के संबंध में दावा किया जा रहा है ि इन्हें चंपत राय और उनके करीबियों से जुड़े लोगों ने अंजाम दिया है। संजय सिंह ने एसआईटी चेयरमैन को पत्र लिखकर पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया था। उन्होंने कहा कि अब एसआईटी को इन दस्तावेजों के आधार पर सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। यह मामला उत्तर प्रदेश की राजनीति में तूल पकड़ रहा है, क्योंकि राम मंदिर पूरे देश के लिए भावनात्मक मुद्दा है। भाजपा और राम मंदिर ट्रस्ट की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। एसआईटी इस पूरे मामले की जांच कर रही है।

औरंगाबाद में गमगीन माहौल में सुपुर्द ए खाक हुए ताजिये

औरंगाबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):– जनपद के प्रसिद्ध औरंगाबाद में मोहर्रम पर्व की दस तारीख को शुक्रवार की शाम इमामबाड़ा सैयद जुल्फकार अली मोहल्ला सादात खामनेई चौक से कार्यक्रम संयोजक सिप्ते अहमद और अली हुजूर की अगुवाई में ताजिये का जुलूस निकाला गया।शिया समुदाय के लोग शोक के प्रतीक काले वस्त्र धारण कर नंगे पैर इमाम हुसैन को याद करते हुए चल रहे थे।जुलूस विभिन्न मार्गों से होता हुआ स्याना रोड स्थित करबला पर पहुंचकर संपन्न हुआ।जहां सभी

ताजियों को गमगीन माहौल में सुपुर्द ए खाक कर दिया गया।जुलूस में सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष सैयद हिमायत अली,हुसैन अली,गौहर अली,हसनैन अब्बास नकवी,शाहिद नकवी,जर्रार हुसैन पोलू,महराज हुसैन,सुजात अली,इमरान अब्बास,सैयद मोहम्मद हुजूर,असद अब्बास,जहीर अब्बास, नसीर पहलवान आदि मौजूद रहे।गांव चरोरा मुस्तफाबाद में जुलूस में बाबूजान, विलायत अली, अमीर हसन, समसुल हसन,समीर एथलीट, इतरात अली, रिहान हैदर, शाने हैदर, मोहम्मद शाहमीर, अबू तालिब, असगर अब्बास, वसीम एथलीट, इस्लाम खां, साहिल अली, अमजद अली मौजूद रहे। गांव परवाना में अंजुमन ए पैगम्बर कमेटी के संयोजक इसरार अंसारी के अगुवाई में जुलूस निकाला गया।

रेलवे पार्सल सेवा में बड़े बदलाव की तैयारी, अब ऐप पर ट्रैक कर सकेंगे अपना सामान

नई दिल्ली। रेलवे अपनी ऑनलाइन सेवाओं के तहत ग्राहकों और यात्रियों को बेहतर सुविधाएं देने की तैयारी कर रहा है। यह ग्राहकों के लिए पार्सल बुकिंग के अनुभव को बेहतर बना रहा है, जिससे वे अब आसानी से अपनी बुकिंग को ट्रैक कर सकेंगे। रेलवे ने अपने अधिकारियों को इसे लागू करने का काम सौंप दिया है। रेलवे अब पार्सल सेवा को पूरी तरह डिजिटल और ट्रांसपेरेंट बनाने की तैयारी में है। जल्द ही ग्राहक रेलवे से पार्सल बुक करने के बाद उसे रियल-टाइम ट्रैक कर सकेंगे, ठीक उसी तरह जैसे ई-कॉमर्स कंपनियों के पैकेज ट्रैक होते हैं। देशभर में चल रहा अध्ययन रेलवे की अध्ययन टीम ने दिल्ली के प्रमुख पार्सल कार्यालयों जैसे नई दिल्ली, हजरत निजामुद्दीन और आनंद विहार स्टेशन का जायजा लिया और वहां मौजूद समस्याओं को चिह्नित किया। वर्तमान व्यवस्था में मुख्य समस्याएं दिल्ली के स्टेशनों पर किए गए अध्ययन में पाया गया कि पार्सल बुकिंग काउंटर अक्सर शेड और हैंडलिंग एरिया से काफी दूर होते हैं। ग्राहकों को बुकिंग के बाद पार्सल को दूसरी जगह ले जाना पड़ता है। इसके अलावा, पार्सल को कोच में उचित तरीके से नहीं रखा जाता, जिससे नुकसान की आशंका बनी रहती है। ट्रैकिंग और डिजिटल सुविधा की मांग रेलवे अब पार्सल बुकिंग से लेकर डिलीवरी तक की पल-पल की जानकारी ग्राहकों को ऐप के माध्यम से उपलब्ध कराने की योजना बना रहा है। इससे पार्सल की पूरी यात्रा घर बैठे ट्रैक की जा सकेगी। सुझाए गए सुधार पार्सल और यात्रियों की आवाजाही को अलग-अलग रास्तों से किया जाए पीएमएस ऐप की क्षमता बढ़ाई जाए पर्याप्त सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं प्लेटफॉर्म तक बैटरी कार्ट या शटल वैन की व्यवस्था एडवांस्ड वेयरहाउसिंग और मशीनीकृत हैंडलिंग सिस्टम आरएफआईडी स्कैनिंग अनिवार्य तापमान नियंत्रित स्टोरेज सुविधा एक ही ऐप से पार्सल ट्रैकिंग किन समस्याओं पर रेलवे का जोर गलत डिलीवरी की समस्याः वर्तमान में लेबलिंग और डिजिटल ट्रैकिंग की कमी के कारण कई पार्सल गलत पते पर चले जाते हैं। बुकिंग की जानकारी ग्राहक को रटर, ईमेल या ऐप से नहीं दी जाती। राजस्व बढ़ाने का अवसरः बेहतर निगरानी और आधुनिक सिस्टम से चोरी और नुकसान के दावों को आसानी से सुलझाया जा सकेगा, साथ ही रेलवे का राजस्व भी बढ़ने की उम्मीद है। रेलवे बोर्ड का निदेर्शः रेलवे बोर्ड की निदेशक प्रतिभा पॉल ने सभी जोनल महाप्रबंधकों को पत्र लिखकर इन सुझावों के आधार पर पार्सल केंद्रों को आधुनिक बनाने की योजना बनाने को कहा है।

26 साल तक माथे पर लगा रहा दुष्कर्म का कलंक, अब दिल्ली हाईकोर्ट से मिला न्याय

नई दिल्ली। कहते हैं न्याय में देरी, अन्याय है। कुछ ऐसा ही अन्याय, माथे पर 28 साल से लगे दुष्कर्म के साथ जीने को मजबूर हुए सुभाष उर्फ बबलू के साथ हुआ। 2008 में उन पर दुष्कर्म का आरोप लगाया गया और ट्रायल कोर्ट ने 2010 में उन्हें दोषी करार देते हुए सात साल की सजा सुना दी। इस निर्णय को उन्होंने दिल्ली हाई कोर्ट में चुनौती दी और ढ़ाई दशक से अधिक समय तक चले ट्रायल के बाद अदालत ने अब उन्हें निर्दोष मानते हुए बरी करने का आदेश दिया है। इस घटना के दौरान उनकी उम्र करीब 20 साल की रही होगी और खुद को बेकसूर साबित करने में 26 साल तक कानूनी लड़ाई लड़नी पड़ी। 26 साल के बाद मिला न्याय न्यायिक व्यवस्था का आलम यह है कि दोषी करार देने के ट्रायल कोर्ट के 2010 के निर्णय के खिलाफ सुभाष की अपील याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट ने 26 साल बाद अपना निर्णय सुनाते हुए उसे बरी कर दिया। निर्दोष करार देने में 26 साल की देरी से न्याय प्रणाली पर गंभीर सवाल उठता है। सुभाष को बरी करते हुए न्यायमूर्ति विमल कुमार यादव की पीठ ने कहा कि युवती के बयान में कई विसंगतियां हैं और उसके बयान पर भरोसा नहीं किया जा सकता है। दोषी करार देने के अगस्त 2010 के आदेश को पलटते हुए पीठ ने कहा कि मजिस्ट्रेट अदालत के समक्ष युवती ने अपने बयान में 2008 में अपनी उम्र 19 साल बताई थी, जबकि बाद में 15 मार्च 2008 को यह कहकर खुद के नाबालिग होने की सफाई दी कि अपीलकर्ता सुभाष ने उस पर दबाव बनाया था। हालांकि, अदालत ने रिकार्ड पर लिया कि 13 मार्च से 15 मार्च के बीच अपीलकर्ता दो दिन की पुलिस रिमांड पर था। इसके बाद 15 मार्च को अपीलकर्ता को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था। ऐसे में अपीलकर्ता के पास शिकायतकर्ता को धमकी देने की कोई गुंजाईश नहीं थी और वह उस पर दबाव नहीं बना सकता था। पीठ ने कहा कि उक्त तथ्यों को देखते हुए अपीलकर्ता को दुष्कर्म का दोषी नहीं ठहराया जा सकता है। पीठ ने कहा कि अपीलकर्ता को तत्काल बरी करने का निर्देश दिया जाता है। याचिका के अनुसार ट्रायल कोर्ट ने 11 अगस्त 2010 में अपीलकर्ता को दोषी करार देते हुए सात साल के कठोर करावास व पांच हजार रुपये का जुमार्ना लगाया था।

क्या था मामला? याचिका के अनुसार, मजिस्ट्रेट के सामने दिए गए अपने बयान में युवती ने कहा था कि वह, अपीलकर्ता को जानती थी और छह मार्च 2008 को ट्यूशन से देर आने पर उसकी मां ने उसे डांटा था। उसे डर था कि उसका भाई भी उसे डटेगा, इसलिए वह सीधे अपीलकर्ता के पास चली गई थी। युवती ने युवक पर यह कहते हुए शादी का दबाव बनाया कि वह अब अपने घर वापस नहीं जाएगी।

क्या आपका कोचिंग सेंटर सुरक्षित है? दिल्ली में शुरू हुआ बड़ा चेकिंग अभियान, 923 संस्थान राडार पर

नई दिल्ली। राजधानी के कोचिंग संस्थानों में सुरक्षा व्यवस्था और आधारभूत सुविधाओं की जांच के लिए दिल्ली सरकार ने बड़ा अभियान शुरू करने का निर्णय लिया है। शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर मुखर्जी नगर, राजेंद्र नगर और कटवरिया सराय जैसे प्रमुख कोचिंग हब में विशेष निरीक्षण अभियान चलाने के निर्देश दिए। बैठक में गृह विभाग, एमसीडी, शहरी विकास विभाग, दिल्ली अग्निशमन सेवा, दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) और उच्च शिक्षा निदेशालय के अधिकारी शामिल हुए। शिक्षा मंत्री ने कोचिंग संस्थानों में सुरक्षा मानकों और आधारभूत संरचना संबंधी कमियों पर चिंता जताते हुए कहा कि छात्रों की सुरक्षा और कल्याण से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। मंत्री ने कहा कि डीडीए, एमसीडी, दिल्ली अग्निशमन सेवा और डीडीएमए की संयुक्त टीमें कोचिंग संस्थानों में अग्नि सुरक्षा, भवन संबंधी नियमों और अन्य अनिवार्य सुरक्षा प्रविधानों के अनुपालन की जांच करेंगी। एमसीडी द्वारा सर्वेक्षित 923 कोचिंग संस्थानों की सूची भी संबंधित विभागों को उपलब्ध कराई जाएगी। शिक्षा मंत्री ने दिल्ली पुलिस, अग्निशमन सेवा और अन्य विभागों को सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करने वाले संस्थानों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही नगर निगम को प्रतिदिन की कार्रवाई रिपोर्ट शिक्षा मंत्री कार्यालय को सौंपने को कहा गया है। अधिकारियों ने बताया कि उच्च शिक्षा निदेशालय कोचिंग संस्थानों के लिए एक व्यापक नियामकीय ढांचा तैयार कर रहा है, जिससे सुरक्षा मानकों को मजबूत करने, जवाबदेही तय करने और पारदर्शी व्यवस्था स्थापित करने में मदद मिलेगी।

फ्रूटी पिलाकर बेहोश करने वाला शातिर चढ़ा पुलिस के हत्थे, ऐसे देता था वारदात को अंजाम

नई दिल्ली। कश्मीरी गेट पुलिस की टीम ने आइएसबीटी से एक ऐसे आरोपित को गिरफ्तार किया है, जो राहगीरों को फ्रूटी में नशीली दवा मिलाकर पिलाता था और उनकी कीमती चाजों पर हाथ साफ कर फरार हो जाता था। आरोपित की पहचान बुराड़ी के फिलिप उर्फ विक्की के रूप में हुई है। पुलिस ने इसके कब्जे से चार फ्रूटी टेट्रा पैक बरामद किए गए, जिनमें से एक में नशीली गोलियां मिली हुई थी। इसके अलावा लोराजेपम (एटिवन 2 एमजी) की 30 गोलियां और शिकायतकर्ता के दस्तावेज वाला एक चोरी हुआ पर्स, एक चोरी की कलाई घड़ी बरामद हुई है। जांच में पता चला कि आरोपित पिछले 21 सालों से अपराध कर रहा था और इससे पहले दिल्ली के अलग-अलग थानों में नशीली दवा देकर चोरी के चार मामलों में शामिल रहा है।

फ्रूटी पीते ही दीपक ढिल्लोड बेहोश हो गए

उपायुक्त राजा बांठिया के मुताबिक, पांच जून को शिकायतकर्ता पूर्वी मुंबई के दीपक ढिल्लोड ने कश्मीरी गेट थाने में शिकायत दर्ज कराते हुए

बताया कि 30 मई को वह सोनीपत जाने के लिए बस पकड़ने आइएसबीटी गए थे। दोपहर करीब 03:30 बजे एक संदिग्ध उन्हें दोस्ताना अंदाज में मिला और उन्हें पीने के लिए फ्रूटी दी। फ्रूटी पीते ही बेहोश हो गए। जब उन्हें होश आया तो लाकेट वाली दो सोने की चेन, एक कलाई घड़ी, नकदी व जरूरी दस्तावेज वाला वालेट चोरी हो गया था। उन्हें शक हुआ कि संदिग्ध द्वारा की गई फ्रूटी में कोई नशीला पदार्थ मिला था, जिससे वे बेहोश हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की और आइएसबीटी में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, जिसमें आरोपित सामान चुराते कैद हुआ। आरोपित की तस्वीरें एफआरएस (फेस रिकग्निशन सिस्टम) के जरिए पहचान के लिए दी गईं, जिसमें आरोपित की पहचान फिलिप उर्फ विक्की के रूप में हुई। टीम ने 19 जून की शाम गुप्त सूचना पर आइएसबीटी से आरोपित को दबोच लिया और उसके कब्जे से नशीला पदार्थ बरामद किया। दूसरों राज्यों से आने वाले लोगों को बनाता था निशाना पूछताछ में आरोपित ने बताया कि वह अक्सर बस टर्मिनल जैसी जगहों पर घूमता था और दूसरे राज्यों से वहां आने वाले लोगों को शिकार बनाता था। वह उनसे दोस्ताना तरीके से मिलता था और उन्हें नशीली गोलियां मिली हुई कोल्ड ड्रिंक पिलाता था। जब लोग बेहोश हो जाते थे, तो वह उनका सामान और कीमती चीजें चुरा लेता था।

खबर एक्सप्रेस

निशानेबाजों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर, चंडीगढ़ में 3 से 6 जुलाई तक होगी प्रतियोगिता

चंडीगढ़। निशानेबाजों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। चंडीगढ़ राइफल एसोसिएशन (सीआरए) की ओर से 3 से 6 जुलाई तक सेक्टर-25 स्थित शूटिंग रेंज में पहली चंडीगढ़ प्री-स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप-2026 का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता में विभिन्न आयु वर्ग के पुरुष एवं महिला खिलाड़ियों के लिए नेशनल राइफल (एनआर) और डेफ वर्ग की स्पधाएं आयोजित होंगी। .177 एयर राइफल, एयर पिस्टल, .22 राइफल, .22 स्टैंडर्ड पिस्टल, .22 फ्री पिस्टल, .22 स्पोर्ट्स पिस्टल तथा सेंटर फायर पिस्टल की प्रतियोगिताएं होंगी। एनआर स्पधाओं के लिए खिलाड़ियों को अपनी प्रविष्टियां केवल ऑनलाइन माध्यम से एनआरएआई के पोर्टल पर भेजनी होंगी। ऑनलाइन प्रविष्टियां 27 जून को दोपहर 1 बजे से शुरू होकर 30 जून तक स्वीकार की जाएंगी। इसके बाद 1 जुलाई को शाम 5 बजे तक तीन गुना प्रवेश शुल्क के साथ लेट एंट्री स्वीकार की जाएगी। वहीं, प्रवेश फार्म एवं शुल्क की हार्ड कॉपी 27 जून से 1 जुलाई तक प्रतिदिन दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक सेक्टर-25 स्थित सीआरए कार्यालय में जमा कराई जा सकेगी।सीआरए के अनुसार, प्रतियोगिता में न्यूनतम क्वालीफाइंग स्कोर हासिल करने वाले निशानेबाज आगामी 51वीं चंडीगढ़ स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप में राइफल एवं पिस्टल स्पधाओं में भाग लेने के पात्र होंगे। प्रतियोगिता और प्रवेश प्रक्रिया से संबंधित विस्तृत जानकारी सीआरए और एनआरएआई की वेबसाइट पर उपलब्ध है। सीआरए के महासचिव शुभजोत सिंह चड्ढा ने बताया कि इस प्रतियोगिता का उद्देश्य शहर के उभरते निशानेबाजों को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए बेहतर मंच उपलब्ध कराना है।

तेल चोर निकला सीनियर कॉन्स्टेबल! विडियो में पंजाब पुलिस की गाड़ी से डीजल निकालते दिखा; नौकरी से सस्पेंड

अबोहर। पंजाब के फाजिल्का जिले के अबोहर के थाना खुईयां सरवर के अंतर्गत आती चौकी कल्लरखेडा में पुलिस की सरकारी गाड़ी ईआरवी 112 से तेल निकालने की वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस अधिकारियों ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को सस्पेंड कर दिया है और विभागीय जांच शुरू कर दी है । फाजिल्का एसएसपी हेडक्वार्टर लवदीप सिंह गिल ने बताया कि फाजिल्का जिले की चौकी कल्लरखेडा की पुलिस की सरकारी गाड़ी ईआरवी 112 पीबी 65 बीएन 8061 जो थाना खुइयां सरवर के इलाके में चलती है। जहां इस गाड़ी का ड्राइवर और सीनियर कॉन्स्टेबल रघबीर सिंह द्वारा गाड़ी की तेल की टंकी से तेल निकालने की वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुई। जिसके बाद मामला सीनियर पुलिस अधिकारियों के ध्यान में पहुंचा तो इस मामले में एक्शन लेते हुए उक्त पुलिस कर्मी को सस्पेंड कर दिया गया है। डीएसपी ने बताया कि मामले में उक्त पुलिस कर्मी के खिलाफ एक्शन लेने के बाद उसकी विभागीय जांच शुरू कर दी गई है। उन्होंने कहा कि अगर कोई भी कानून के नियम तोड़ता है या फिर गलत करता है चाहे कोई पुलिस कर्मी क्यों न हो उसे भी बख्शा नहीं जाएगा।बता दें कि पुलिस कर्मी एक जगह पर गाड़ी को खड़ी करके उसमें से बोतल में तेल निकाल रहा था जबकि एक और व्यक्ति उसके पास खड़ा था। इस घटना की किसी ने वीडियो बना ली व सोशल मीडिया पर वायरल कर दी। लोगों को वीडियो बनाता देख कर्मी बिना टंकी बंद कर वहां से गाड़ी को ले जाता है। आरोप यह है भी है कि आरोपी पुलिसकर्मी इस दौरान नशे में लग रहा था।

जालंधर में दोस्ती खून में बदली! पहले साथ पी शराब, फिर दी बेरहम मौत; जेसीबी की खुदाई से खुला राज

जालंधर। जालंधर में दोस्ती के रिश्ते को शर्मसार करने वाली एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। शराब पीने के बाद हुए विवाद में एक युवक ने अपने ही दोस्त की हत्या कर दी और शव को कूड़े के डंप में दबा दिया। चार दिन से लापता युवक की गुत्थी पुलिस ने सुलझाते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मृतक की पहचान मोहल्ला नंबर 15 निवासी 31 वर्षीय गुरप्रीत सिंह नोनी के रूप में हुई है। वह पार्ट टाइम डीजे का काम करता था और अपने परिवार का इकलौता बेटा था। बताया गया कि वह चार दिन पहले घर से निकला था, जिसके बाद से उसका कोई सुराग नहीं मिला। परिवार लगातार उसकी तलाश कर रहा था और बाद में पुलिस में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई।

सीसीटीवी से मिला सुराग

पुलिस जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए, जिसमें गुरप्रीत सिंह को कूड़े के डंप की ओर जाते हुए देखा गया, लेकिन वह वापस बाहर आता नहीं दिखा। इसी आधार पर पुलिस ने जांच आगे बढ़ाई और कूड़े के डंप के आसपास काम करने वाले उसके दोस्त रवि को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की।पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। उसने बताया कि घटना वाली रात दोनों ने एक साथ शराब पी थी। इसी दौरान किसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हो गई, जो धीरे-धीरे झगड़े में बदल गई। गुस्से में आकर उसने अपने दोस्त की हत्या कर दी।मोबाइल फोन व बाइक नहर के पास फेंके वारदात को छिपाने के लिए आरोपी ने शव को कूड़े के डंप में दबा दिया और सबूत मिटाने के इरादे से मृतक का मोबाइल फोन और बाइक नहर में फेंक दी। पुलिस के अनुसार आरोपी ने जांच को भटकाने की भी कोशिश की। पुलिस ने शुक्रवार को कार्रवाई करते हुए जेसीबी मशीन की मदद से करीब डेढ़ घंटे तक कूड़े के डंप की खुदाई करवाई, जिसके बाद शव बरामद किया गया। शव मिलने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। थाना नंगल शामा पुलिस ने आरोपी रवि को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि हत्या के बाद आरोपी ने किन-किन सबूतों को नष्ट करने की कोशिश की और क्या इस मामले में कोई और व्यक्ति भी शामिल था।

पाक गैंगस्टर शहजाद भट्टी के लिए जासूसी करने वाले 3 आरोपी जालंधर में अरेस्ट, देश की गुप्त सूचनाएं भेजने का आरोप

जालंधर। जालंधर पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए पाकिस्तानी गैंगस्टर के नेटवर्क का खुलासा किया है। पुलिस ने तीन युवकों को गिरफ्तार किया है, जिन पर आरोप है कि वे पंजाब के महत्वपूर्ण और संवेदनशील सरकारी ठिकानों की जानकारी पाकिस्तान भेज रहे थे। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान प्रदीप सिंह, भरत वर्मा और सचिन खोसला के रूप में हुई है। इन पर आरोप है कि वे पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी के संपर्क में थे और उसके इशारे पर काम कर रहे थे। बताया गया है कि यह पूरा नेटवर्क सोशल मीडिया के माध्यम से सक्रिय हुआ था। इंटरनेट मीडिया माध्यम से हुआ भट्टी से लिंक

पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपियों में से प्रदीप सिंह ने सबसे पहले इंटरनेट मीडिया के जरिए शहजाद भट्टी से संपर्क किया था। इसके बाद उसने अपने दो दोस्तों को भी इस साजिश में शामिल कर लिया। पुलिस के अनुसार तीनों आरोपी आपस में दोस्त हैं और पिछले लगभग चार महीनों से इस गतिविधि में सक्रिय थे।आरोप है कि तीनों आरोपी पैसे लेकर पंजाब के सरकारी संस्थानों, संवेदनशील स्थानों और महत्वपूर्ण ठिकानों से जुड़ी जानकारी एकत्र कर पाकिस्तान भेज रहे थे। इस जानकारी का इस्तेमाल किस उद्देश्य से किया जा रहा था, इसकी जांच सुरक्षा एजेंसियां कर रही हैं।

पुलिस को नेटवर्क के मिले थे लिंक

पुलिस कमिश्नर सतिंदर सिंह ने बताया कि पुलिस को पहले से ही इस नेटवर्क को लेकर इनपुट मिले थे, जिसके बाद तीनों आरोपियों को सर्विलांस पर रखा गया था। पर्याप्त सबूत मिलने के बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस कमिश्नर ने यह भी बताया कि एक आरोपी भरत वर्मा के खिलाफ पहले से ही एक आपराधिक मामला दर्ज है। फिलहाल तीनों से गहन पूछताछ की जा रही है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि उनके संपर्क और कौन-कौन से लोग हैं तथा इस नेटवर्क का दायरा कितना बड़ा है।राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा मामला अधिकारियों ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए कहा कि जांच अभी प्रारंभिक चरण में है, इसलिए कई महत्वपूर्ण जानकारियां सार्वजनिक नहीं की जा सकतीं।

पुलिस का कहना है कि यह मामला राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा हुआ है, इसलिए हर पहलू की बारीकी से जांच की जा रही है। आने वाले दिनों में और भी खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।

पठानकोट के सुजानपुर नगर कौंसिल में कोरम ने रोका चुनाव, प्रधान व उपप्रधान पर फैसला टला, अब अगली बैठक पर नजर

पठानकोट सुजानपुर। पठानकोट के सुजानपुर नगर कौंसिल के नवनिर्वाचित पार्षदों का शपथ ग्रहण समारोह और प्रधान व उपप्रधान पद के चुनाव की प्रक्रिया गुरुवार को कोरम पूरा नहीं होने के कारण स्थगित करनी पड़ी। निर्धारित संख्या में पार्षदों की अनुपस्थिति के चलते प्रशासन चुनाव प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ा सका। अब इस प्रक्रिया को पूरा करने के लिए जल्द ही नई बैठक बुलाई जाएगी। बैठक में कुल 15 पार्षदों में से केवल सात पार्षद ही पहुंचे, जबकि आठ पार्षद अनुपस्थित रहे। कोरम पूरा नहीं होने के कारण न तो शपथ ग्रहण कराया जा सका और न ही प्रधान एवं उपप्रधान पद के लिए चुनाव कराया जा सका। इससे नगर कौंसिल के गठन की प्रक्रिया फिलहाल अधूरी रह गई।बैठक में मौजूद पार्षदों में नीतू मन्हास, सुरेंद्र

वर्मा, सुरेंद्र कुमार, राणा प्रताप, आम आदमी पार्टी की सुदेश कुमारी, भारतीय जनता पार्टी के सुरेश कुमार तथा कांग्रेस के अश्विनी कुमार शामिल रहे। वहीं बैठक से अनुपस्थित रहने वाले पार्षदों में भारतीय जनता पार्टी के अशोक बावा, अनु बाला और शुभ लता शामिल रहे। कांग्रेस के शमशेर सिंह, थॉमस सिद्धू, लक्ष्मी कुमारी, नीलम कुमारी और अनुराधा बाली भी बैठक में नहीं पहुंचे। आवश्यक संख्या बल नहीं होने के कारण प्रशासन को बैठक स्थगित करने का निर्णय लेना पड़ा।इस मौके पर कैबिनेट मंत्री लालचंद कटारूचक्क ने कोरम पूरा नहीं होने की पुष्टि करते हुए कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में सभी संवैधानिक और कानूनी प्रक्रियाओं का पालन करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि आज की बैठक में आवश्यक कोरम पूरा नहीं हो पाया, इसलिए शपथ ग्रहण और चुनाव की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ाई जा सकी।जल्द नई तारीख होगी घोषित

उन्होंने बताया कि प्रशासन जल्द ही अगली बैठक की तारीख घोषित करेगा, ताकि नगर कौंसिल के गठन की प्रक्रिया पूरी की जा सके और शहर के विकास कार्यों में किसी प्रकार की देरी न हो। उन्होंने यह भी कहा कि अगली बैठक में कोरम पूरा होने के बाद चुनाव संपन्न कराया जाएगा और आम आदमी पार्टी का नगर कौंसिल अध्यक्ष चुना जाएगा। नगर कौंसिल के गठन में हुई इस देरी के कारण शहर के कई प्रशासनिक और विकास कार्य भी फिलहाल प्रभावित हो सकते हैं। अब सभी की नजर अगली बैठक पर टिकी है, जिसमें कोरम पूरा होने के साथ प्रधान और उपप्रधान के चुनाव की प्रक्रिया पूरी होने की उम्मीद जताई जा रही है।

चंडीगढ़ के नजदीक स्क्रैप मार्केट में लगी आग; चपेट में आईं 3 दुकानें, फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंची

चंडीगढ़। शहर के नजदीक तोगा गांव में स्क्रैप मार्केट के एक गोदाम में शुक्रवार दोपहर आग लग गई। मार्केट में बड़ी संख्या में पुरानी गाड़ियां और उनके स्पेयर पार्ट्स रखे होने के कारण आग तेजी से फैली और आसपास की तीन दुकानों तक पहुंच गई। इससे वहां काम कर रहे कर्मचारियों में भगदड़ मच गई। दुकान मालिकों ने फायर ब्रिगेड और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग पर काबू को बुझाने में जुटी। मार्केट में खुले में कबाड़ पड़े होने की वजह से आग को बुझाने में परेशानी झेलनी पड़ रही है।

चंडीगढ़ में 11वीं में दाखिले के लिए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ी, अब 27 जून तक कर सकेंगे अप्लाई

चंडीगढ़। सरकारी स्कूलों की 11वीं कक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन करने वाले विद्यार्थियों को शिक्षा विभाग ने बड़ी राहत दी है। विभाग ने ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर अब 27 जून शाम 5 बजे तक कर दी है।

इससे पहले आवेदन करने की अंतिम तिथि 25 जून निर्धारित थी, लेकिन अंतिम दिन सर्वर डाउन होने के कारण बड़ी संख्या में विद्यार्थी आवेदन प्रक्रिया पूरी नहीं कर सके थे। शिक्षा विभाग के अनुसार अंतिम दिन पोर्टल पर अधिक लोड होने से तकनीकी समस्या आ गई थी, जिसके चलते कई अभ्यर्थियों को आवेदन जमा करने में परेशानी का सामना करना पड़ा। विद्यार्थियों और अभिभावकों की ओर से लगातार मिल रही शिकायतों के बाद विभाग ने आवेदन की समय सीमा दो दिन बढ़ाने का निर्णय लिया।विभाग ने सभी इच्छुक विद्यार्थियों से अपील की है कि वे अंतिम समय का इंतजार किए बिना 27 जून शाम 5 बजे से पहले अपना आवेदन ऑनलाइन जमा कर दें। जिन विद्यार्थियों का आवेदन अधूरा रह गया था या जो तकनीकी कारणों से आवेदन नहीं कर पाए थे, वे अब निर्धारित समय के भीतर प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं।उल्लेखनीय है कि शहर के सरकारी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में 11वीं कक्षा की हजारों सीटों पर प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया चल रही है। आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ने से उन विद्यार्थियों को विशेष राहत मिलेगी, जो सर्वर की तकनीकी समस्या के कारण समय पर आवेदन नहीं कर पाए थे। शिक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि संशोधित समय सीमा के बाद आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। ऐसे में सभी अभ्यर्थियों को समय रहते आवश्यक दस्तावेज अपलोड कर आवेदन प्रक्रिया पूरी करने की सलाह दी गई है, ताकि प्रवेश प्रक्रिया बिना किसी बाधा के आगे बढ़ सके।

फतेहगढ़ साहिब में ईमेल पर युवक को मिली जान से मारने की धमकी, 17 लाख की रंगदारी मांगी; साइबर जांच शुरू

फतेहगढ़ साहिब। फतेहगढ़ साहिब जिले के बस्सी पठाना में एक व्यक्ति को ईमेल के जरिए जान से मारने की धमकी देकर 17 लाख रुपये की रंगदारी मांगने का मामला सामने आया है। धमकी भरे लगातार ईमेल मिलने से पीड़ित मानसिक रूप से परेशान हो गया। शिकायत मिलने के बाद साइबर क्राइम थाना पुलिस ने अज्ञात आरोपी या आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, बस्सी पठाना निवासी रूपमप्रीत सिंह ने शिकायत में बताया कि पिछले कुछ समय से उसकी ईमेल आईडी पर लगातार धमकी भरे संदेश भेजे जा रहे हैं। ईमेल भेजने वाले अज्ञात व्यक्ति ने उसे जान से मारने की धमकी दी है और कहा है कि यदि वह अपनी जान बचाना चाहता है तो 17 लाख रुपये की रकम देनी होगी।ई-मेल के बाद सहमा परिवार

पीड़ित ने बताया कि लगातार इस तरह के ईमेल मिलने से वह और उसका परिवार भय के माहौल में हैं। इसके

बाद उसने पूरे मामले की जानकारी साइबर क्राइम थाना पुलिस को दी और कार्रवाई की मांग की।शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने बिना देरी किए अज्ञात आरोपी या आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए तकनीकी जांच शुरू कर दी गई है। साइबर क्राइम पुलिस की टीमें ईमेल भेजने वाले की पहचान करने के लिए डिजिटल साक्ष्य जुटा रही हैं। जांच के दौरान ईमेल की तकनीकी जानकारी, आईपी एड्रेस, सर्वर रिकॉर्ड और अन्य डिजिटल माध्यमों का विश्लेषण किया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि तकनीकी जांच के आधार पर जल्द ही आरोपियों तक पहुंचने का प्रयास किया जाएगा।डिजिटल साक्ष्यों को जुटाने में जुटी पुलिस

पुलिस का कहना है कि साइबर अपराधों में अपराधी अक्सर अपनी पहचान छिपाने के लिए विभिन्न तकनीकों का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन डिजिटल साक्ष्यों की मदद से उनकी पहचान संभव होती है। जांच पूरी होने के बाद आरोपियों के खिलाफ कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने लोगों से भी अपील की है कि यदि किसी को ईमेल, सोशल मीडिया या अन्य ऑनलाइन माध्यम से धमकी या रंगदारी की मांग संबंधी संदेश प्राप्त होता है तो घबराने के बजाय तुरंत इसकी सूचना पुलिस या साइबर क्राइम हेल्पलाइन को दें। साथ ही ऐसे संदेशों को बिना जांच के किसी के साथ साझा करने या उनमें दिए गए निर्देशों का पालन करने से बचें। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गहन जांच में जुटी है और ईमेल भेजने वाले अज्ञात आरोपी या आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

पंजाब कांग्रेस में जल्द होगा बदलाव! राजा वड़िंग, चन्नी और रंधावा अचानक पहुंचे दिल्ली, संगठन महासचिव से की मुलाकात

चंडीगढ़। पंजाब कांग्रेस में लंबे समय से चल रही संगठनात्मक उठापटक के बीच जल्द बड़े बदलाव के संकेत मिल रहे हैं। इसी कड़ी में शुक्रवार प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी. वेणुगोपाल से दिल्ली में मुलाकात की। इससे पहले पिछले दो दिनों में वरिष्ठ नेता एवं सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा तथा पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी भी वेणुगोपाल से अलग-अलग मुलाकात कर चुके हैं। सूत्रों के अनुसार, पंजाब कांग्रेस के संगठन में बदलाव को लेकर शीर्ष नेतृत्व लगातार मंथन कर रहा है। माना जा रहा है कि प्रदेश इकाई में नए पदाधिकारियों की नियुक्ति और संगठन के पुनर्गठन को लेकर जल्द घोषणा हो सकती है। पिछले कुछ समय से पार्टी के भीतर नेतृत्व और संगठन को मजबूत करने की कवायद चल रही है तथा कई वरिष्ठ नेताओं से फीडबैक भी लिया गया है।अगामी

विधानसभा चुनावों की तैयारी

लगातार हो रही इन बैठकों को आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों से जोड़कर देखा जा रहा है। पार्टी आलाकमान पंजाब में संगठन को अधिक सक्रिय और चुनावी मोड में लाने के लिए नई टीम तैयार करने पर विचार कर रहा है। हालांकि कांग्रेस की ओर से अभी तक प्रस्तावित बदलावों को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।राहुल गांधी भी कर चुके नेताओं से मुलाकात

पंजाब विधानसभा चुनाव को देखते हुए हाल ही में कांग्रेस हाई कमान की ओर से तीन सदस्यों की ऑब्जर्वर कमेटी गठित की गई थी जिसमें कांग्रेस के सभी वरिष्ठ नेताओं से चुनाव को लेकर फीडबैक लिया था। इसके बाद राहुल गांधी ने भी कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह सहित अन्य वरिष्ठ नेताओं से भी वन टू वन मुलाकात की थी। सूत्रों अनुसार एक-दो दिन के भीतर पंजाब कांग्रेस में बदलाव को लेकर हाईकमान की ओर से फैसला ले लिया जाएगा।

चंडीगढ़ में होगी एशियाई रिले चैंपियनशिप, 37 साल बाद मिली मेजबानी; चीन से पहुंचा झंडा, 20 देशों के धावक आएंगे

चंडीगढ़। एशियाई रिले चैंपियनशिप की मेजबानी इस बार चंडीगढ़ करेगा। 37 वर्षों के बाद ऐसा अवसर आया है, जब चंडीगढ़ किसी अंतरराष्ट्रीय खेल चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा। अगले वर्ष होने वाली इस अंतरराष्ट्रीय के लिए चंडीगढ़ प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। सेक्टर-7 के सिंथेटिक ट्रैक पर 20 से ज्यादा देशों के 250 एथलीट दौड़ते नजर आएंगे। चंडीगढ़ ही नहीं बल्कि पूरे देश के लिए यह बेहद गर्व का मौका है। वहीं, शुक्रवार को एशियन रिले चैंपियनशिप का झंडा चीन से चंडीगढ़ पहुंच गया है। खेल निदेशक सौरभ अरोड़ा ने 2027 में होने वाली इस चैंपियनशिप का झंडा प्रशासक गुलाब चंद कटारिया को अधिकारिक रूप से सौंपा। सेक्टर-9 स्थित यूटी सचिवालय में चैंपियनशिप की आधिकारिक घोषणा करते हुए प्रशासक ने कहा कि यह झंडा नहीं जिम्मेदारी है।परंपरा के तहत जो देश मौजूदा चैंपियनशिप करवाता है, वही इस झंडे को अगली प्रतियोगिता के आयोजक देश के प्रतिनिधि को सौंपता है। पिछले हफ्ते ही एशियन रिले चैंपियनशिप का दूसरा संस्करण चीन के शांग्यू स्टेडियम में संपन्न हुआ। चंडीगढ़ के खेल निदेशक समापन समारोह में मौजूद थे। अगले साल के आयोजन के लिए उन्हें चैंपियनशिप का झंडा सौंपा गया था।मेजबानी के लिए सउदी अरब को पछाड़ा

एशियन रिले चैंपियनशिप की मेजबानी हासिल करना आसान नहीं था। पिछले महीने हांगकांग में एशियन एथलेटिक्स एसोसिएशन की मीटिंग थी। इस मीटिंग में 2027 में होने वाली चैंपियनशिप पर चर्चा हुई। इसके आयोजन के लिए भारत के अलावा सउदी अरब ने भी इच्छा जाहिर की। हालांकि, मीटिंग में मौजूद चंडीगढ़ एथलेटिक्स एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने आयोजकों को इस चैंपियनशिप की मेजबानी सौंपने के लिए तैयार कर ही लिया।

दरअसल, मई में सउदी अरब में काफी गर्मी पड़ती है, जिससे एथलीट्स को काफी दिक्कतें आ सकती थीं। वहीं, चंडीगढ़ में मई के दिनों में मौसम उतना गर्म नहीं होती है। इसका चंडीगढ़ को फायदा मिला। इसके अलावा सेक्टर-7 के स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स को वर्ल्ड क्लास बनाया जा रहा है। यहां अंतरराष्ट्रीय स्तर का सिंथेटिक ट्रैक भी बना दिया गया है। इस साल भारत ने जीते तीन मेडल

इस साल चीन में हुई दूसरी एशियन रिले चैंपियनशिप में भारत ने तीन मेडल जीते। इनमें एक स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक शामिल हैं। विमेन 100 मीटर रिले में भारत की सरबनी नंदा, एसएस स्नेहा, सुदेष्णा शिवांकर और तमन्ना की टीम ने स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने 43.85

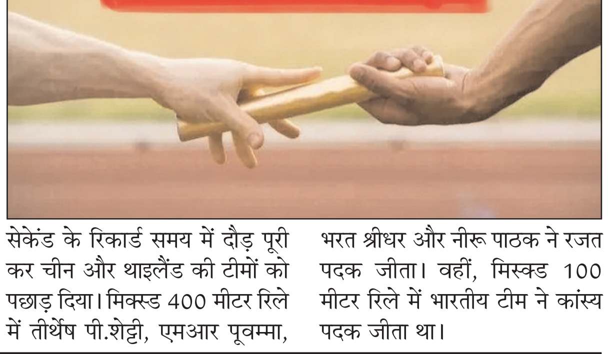

सेकेंड के रिकार्ड समय में दौड़ पूरी कर चीन और थाइलैंड की टीमों को पछाड़ दिया। मिक्स्ड 400 मीटर रिले में तीर्थेष पी.शेट्टी, एमआर पूवम्मा, भरत श्रीधर और नीरू पाठक ने रजत पदक जीता। वहीं, मिक्स्ड 100 मीटर रिले में भारतीय टीम ने कांस्य पदक जीता था।

सिर और गर्दन के कैंसर का इलाज अब मिनिमली इनवेसिव सर्जरी से संभव

भारत में सिर और गर्दन का कैंसर एक आम समस्या बनती जा रही है। इन समस्याओं में ओरल यानी कि मुंह के कैंसर के मामलों में तेजी से वृद्धि हो रही है। अन्य देशों की तुलना में भारत में इस कैंसर का खतरा बहुत ज्यादा है। हालांकि, शुरुआती निदान के साथ इस कैंसर का इलाज संभव है, लेकिन दुर्भाग्य से वेस्टर्न दुनिया की तुलना में भारत में इस कैंसर का सरवाइवल रेट बहुत कम है।

ग्लोबोकैन 2018 की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, देश की 24 प्रतिशत आबादी सिर और गर्दन के कैंसर से पीड़ित है, और हर साल इस कैंसर के 2.75 लाख नए मामले रजिस्टर किए जाते हैं। आईसीएमआर की नेशनल कैंसर रेजिस्ट्री प्रोग्राम के डाटा के अनुसार, देश के तीन कैंसर मामलों में से एक बीआईएमएआरयू राज्यों (बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान और उत्तर प्रदेश) से संबंधित होता है। 2016 में, भारत में 14.5 लाख कैंसर के मामले दर्ज किए गए थे, जबकी 2017 में यह संख्या बढ़कर 15.17 लाख हो गई। इनमें से 5.75 लाख मामले बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के थे। चार बीआईएमएआरयू राज्यों में से एक यूपी में कैंसर के 2.5 लाख मामले देखे गए जो देश के किसी भी राज्य की तुलना में सबसे ज्यादा हैं। यूपी की बात करें तो इसका मुख्य कारण यह है कि, वहां के लोग पान मसाला और तंबाकू का सेवन बहुत ज्यादा करते हैं।

पहले का इलाज केवल कैंसर और बीमारी को ठीक करने के लिए किया जाता था, जिसके कारण मरीज को अन्य समस्याओं, जैसे टेढ़ा चेहरा, निशान, टेढ़-मेढ़े दांत, चेहरे के आकार में बदलाव, कंधों में झुकाव आदि से जूझना पड़ता था। टेक्नोलॉजी में प्रगति के साथ आज मिनमली इनवेसिव सर्जरी के जरिए सिर और कैंसर के चौथे चरण का इलाज भी संभव हो गया है, जिसके परिणाम भी अच्छे होते हैं। ऐसे कैंसरों के इलाज को बेहतर करने के लिए आज देश में ट्रांस-ओरल रोबोटिक सर्जरी (टीओआरएस) भी उपलब्ध है। इस सर्जरी के परिणाम बेहतर होने के साथ ही मरीज का चेहरा भी खराब नहीं होता है और न ही कोई निशान रह जाते हैं। टीओआरएस के साथ मरीजों के सरवाइवल रेट में भी सुधार आया है।

ट्रांस-ओरल रोबोटिक सर्जरी- इलाज के लिए एक मिनिमली इनवेसिव प्रक्रिया

ट्रांस-ओरल रोबोटिक सर्जरी एक नई तकनीक है, जो कैंसर की खतरनाक से खतरनाक सेल्स को भी हटा देता है। रोबोटिक हाथ, बिना कोई चीरा लगाए गर्दन की सभी कैंसर कोशिकाओं को हटा देता है। पहले जुबान के ज्यादा अंदर, यानी कि टॉन्सिल्स तक पहुंचना मुश्किल होता था, लेकिन आज टेक्नोलॉजी में प्रगति के साथ वहां तक पहुंचना भी संभव हो गया है। ये प्रक्रिया न सिर्फ कैंसर के मरीजों के लिए बल्कि सर्जनों के लिए भी एक वरदान साबित हुई है। सर्जरी के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले उपकरणों को रोबोटिक सिस्टम से कंट्रोल किया जाता है, जिसकी मदद से छोटी से छोटी जगह तक भी आसानी से पहुंच कर इलाज किया जा सकता है। चीरा लगाने की जरूरत न होने के कारण न्यूरोवस्कुलर टिशूज को कोई नुकसान नहीं पहुंचता है, जिससे मरीजों को निगलने में आसानी होती है और अस्पताल से डिस्चार्ज भी जल्दी कर दिया जाता है। सर्जरी के बाद मरीज की देखभाल का पूरा ख्याल रखा जाता है, जिससे उनमें ब्लीडिंग, इंफेक्शन या कोई और समस्या न हो सके।

टीओआरएस- एक एडवांस तकनीक

रोबोटिक सर्जरी होने के कारण कैंसर के इलाज में बदलाव हुए हैं। मिनिमली इनवेसिव प्रक्रिया की मदद से अब ओपन सर्जरी की जरूरत नहीं पड़ती है। पहले इस प्रकार के कैंसर के इलाज के लिए कीमोथेरेपी और रेडिएशन थेरेपी का इस्तेमाल किया जाता था, लेकिन देर से निदान के कारण इलाज के परिणाम कुछ खास नहीं होते थे। दुर्भाग्य से, टीओआरएस से पहले सर्जरी पूरी तरह से इनवेसिव (सर्जरी के लिए बड़ा चीरा लगाना पड़ता था) हुआ करती थी। चीरे और काट-पीट के कारण रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी के बाद भी मरीजों के चेहरों के आकार खराब हो जाते थे। लेकिन यह मिनिमली इनवेसिव प्रक्रिया 100 फीसदी सुरक्षित है।

भारत में टीओआरएस का भविष्य कैसा होगा?

ट्रांस-ओरल रोबोटिक सर्जरी का इस्तेमाल जुबान, मुंह, गला और सिर व गर्दन के कई अन्य स्थानों के कैंसर के इलाज के लिए किया जाता है। सर्जिकल उपकरणों में प्रगति के साथ, रोबोटिक टेक्नोलॉजी की मदद से सभी प्रकार के ट्यूमर तक पहुंचना संभव हो गया है।

टीओआरएस की मदद से सिर और गर्दन के कैंसर का इलाज करना बेहद आसान हो गया है, जिसमें न तो आवाज जाने का खतरा होता है और न ही निगलने में परेशानी होती है। इसके अलावा, इस एडवांस सर्जरी की मदद से मरीज जल्दी ठीक हो जाता है और उसके चेहरे पर कोई निशान भी नहीं रहते हैं। देश के कई डॉक्टर इस विकल्प को पसंद कर रहे हैं।

- डॉक्टर समीर कौल

टेस्टी अंगूर के आश्चर्यजनक फायदे

मीठे अंगूर के दाने न सिर्फ खाने में स्वादिष्ट होते हैं, बल्कि ये सेहत का खजाना भी है। आपको हेल्दी रखने के साथ ही अंगूर आपकी त्वचा और बालों के लिए भी फायदेमंद होता है। इंस्टेंट एनर्जी के लिए भी आप अंगूर का सेवन कर सकते हैं।

- ब्रेस्टफीट कराने वाली महिलाओं को रोजाना करीब 100 ग्राम अंगूर खाना चाहिए। इससे दूध बढ़ता है है।
- कब्ज की वजह से सिरदर्द, चक्कर जैसी समस्याएं हो रही हैं, तो इससे राहत के लिए रोजाना नियमित रूप से 25 ग्राम अंगूर का रस पीएं।
- एसिडिटी होने पर 25-25 ग्राम अंगूर और सौंफ को रातभर 250 मि.ली। पानी में भिगोकर रखें। सुबह उसे मसलकर छान लें। फिर उसमें 10 ग्राम शक्कर मिलाकर पीएं। कुछ दिनों तक नियमित रूप से ऐसा करने से एसिडिटी से राहत मिलेगी।

- यदि आपको कमजोरी महसूस हो रही है, तो 25 ग्राम अंगूर खाएं और उसके बाद आधा लीटर दूध पीएं। इससे कमजोरी दूर होगी।
- पेशाब में गर्मी की समस्या होने पर 50 ग्राम काले अंगूर को रातभर ठंडे पानी में भिगोकर रखें। सुबह मसलकर छान लें। फिर इसमें थोड़ा-सा जीरा चूर्ण मिलाकर पीएं। इससे पेशाब की गर्मी दूर होगी।
- पथरी दूर करने में अंगूर फायदेमंद होता है। अंगूर के बीज को पीसकर चूर्ण बना लें। इसे फांककर ऊपर से एक ग्लास दूध पीएं। ऐसा करने से पथरी गलकर बाहर आ जाएगी।
- अंगूर में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर को न केवल कैंसर से, बल्कि हार्ट डिसीज, नर्व डिसीज, अलझमर, वायरल और फंगल इंफेक्शन से लड़ने की ताकत देते हैं।
- प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, फैट, सोडियम, फाइबर, विटामिन ए, सी, ई, के, कैल्शियम, कॉपर, मैग्नीशियम, मैंग्नीज, जिंक और आयरन के गुणों से भरपूर अंगूर में कैलोरी मात्रा बहुत कम होती है।
- शरीर के किसी भी हिस्से से खून निकलने पर एक ग्लास अंगूर के जूस में दो चम्मच शहद घोलकर पिलाने से खून की कमी दूर हो जाती है और खून बहना बंद हो जाता है।
- अंगूर में ग्लूकोज व विटामिन ए पर्याप्त मात्रा में होता है, इसलिए अंगूर खाने से भूख बढ़ती है और पाचन शक्ति ठीक रखती है। अंगूर आंखों, बालों व त्वचा को भी शाइनी बनाता है।
- अंगूर फोड़े-फुंसियों व पिंपल्स को सुखाने में मदद करता है। अंगूर के रस से गरारे करने से मुंह छालों से राहत मिलती है।

गुड़ और आटे का हलवा

सामग्री

- ¼ कप घी
- 1 कप आटा
- ½ कप गुड़
- इलाइची पाउडर
- 10-15 रेसे केसर
- बादाम
- काजू पिस्ता बारीक कटे हुए

विधि

सबसे पहले एक पैन लें और उसमें घी गरम करें अब पैन में आटा डालें और आटे को घी में खूब भूनें। जबतक आटा थोड़ा सुनहरा न हो जाए तब तक उसे भूनें। इससे आटा पैन में चिपकेगा नहीं। इसके बाद 2 कप पानी में कुछ देर के लिए गुड़ को भिगो दें। जब गुड़ पानी में पिघल जाए तो उस पानी को आटे में डालें। इसके बाद मिश्रण में इलाइची पाउडर, केसर डालें और उसे अच्छी तरह से मिक्स करें। इसे तब तक पकाएं जब तक यह मिश्रण थिक न हो जाए। अब हलवे को ड्राय फ्रूट्स से गार्निश करें और गरम-गरम खाने के लिए परोसें। आप इस हलवे को 3 से 4 दिन तक फ्रिज में रख कर प्रीहीट करके भी खा सकते हैं।

पनीर रैप

सामग्री

- नीर- 150 ग्राम
- ऑयल-1 बड़ा चम्मच
- प्याज- 1 छोटा
- हरी शिमला मिर्च- 1 मीडियम साइज
- लाल मिर्च पाउडर- 1 छोटा चम्मच
- बीन स्प्राउट्स- 1/2 कप
- सलाद पत्ते- 4 बड़े
- नमक- स्वादानुसार
- Veeba Vinaigrette ड्रेसिंग- 2 बड़े चम्मच
- वीबा मिंट मेयोनेज- 4 बड़े चम्मच

विधि

इस टेस्टी स्नैक रेसिपी को बनाने के लिए सबसे पहले पनीर को दो स्ट्रिप्स, प्याज को लंबा-लंबा, शिमला मिर्च को पतली स्ट्रिप्स में काट लें। फिर कड़ाही में तेल गर्म करें। एक बार जब तेल पर्याप्त गर्म हो जाए, तो इसमें प्याज के स्लाइस डालें और आधे मिनट के लिए सौते करें। अब इसमें हरी शिमला मिर्च, लाल मिर्च पाउडर, पनीर स्ट्रिप्स, नमक डालकर मीडियम आंच पर 2 मिनट के लिए सौते करें। अब इसमें बीन स्प्राउट्स मिलाएं और एक और मिनट के लिए फिर से सौते करें। पैन को गैस पर से उतार लें और एक तरफ रख दें। रैप तैयार करने के लिए, पनीर मिश्रण को 2 बराबर भागों में बांटे। वर्कटॉप पर रैप रखें और उसके ऊपर सलाद पत्ता रखें। फिर उस पर समान रूप से वीबा मिंट मेयोनेज का 1 टीस्पून लगाएं और फिर रैप के बीच में पर्याप्त मात्रा में पनीर मिश्रण रखें। फिर इसमें आधा चम्मच Veeba Vinaigrette ड्रेसिंग मिलाएं। आपका टेस्टी पनीर रैप तैयार है इसे गर्मा-गर्म परोसें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने में सफल होंगे। व्यापार में स्थिति ठीक रहेगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। शुभांक-1-3-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): संतोष से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। शुभांक-4-6-8

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): मनोरथ सिद्ध होंगे, पूरे मनोयोग से काम में लगे रहे। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-2-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): स्वास्थ्य में ताजगी बनने से नई ऊर्जा का संचार होगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-5-7-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): सुनियोजित तरीके से कार्य आरम्भ करें, सफल होंगे। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-1-2-5

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): अध्ययन-अध्यापन में समय गुजरेगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-3-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। रूकावटें आएंगी। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। कार्य भार बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। वैचारिक उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। शुभांक-5-6-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। खान-पान में सावधानी रखें। अच्छे समय का इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। नैतिक दायरे में रहें। शुभांक-2-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): सामाजिक मान-सम्मान बढ़ेगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। राजकीय कार्यों से लाभ। मनोबल ऊंचा रखें। शुभांक-5-6-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। साक्षात्कार के लिए दिन शुभ रहेगा। शुभांक-5-7-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। बुरी संगति से बचें। सुविधाओं में शनैः-शनैः बाधा आएगी। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। शुभांक-5-7-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): पूर्व में किये कार्यों से लाभ मिलेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शांतिपूर्वक कार्य करें। शुभांक-1-4-5

काकुरो पहेली -3930

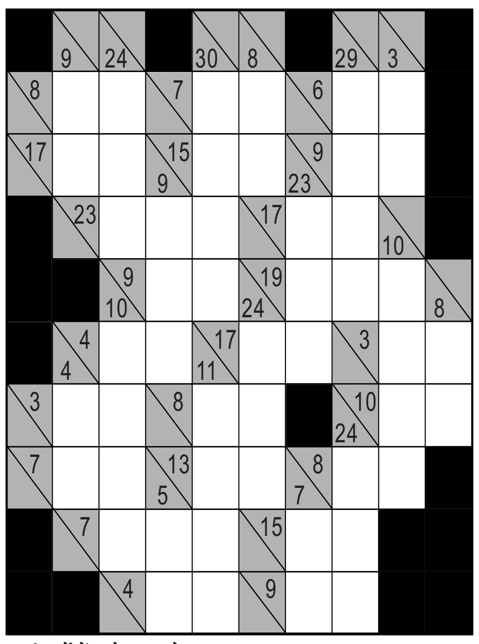

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

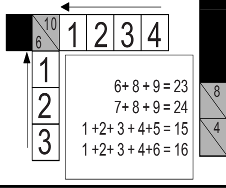

काकुरो - 3929 का हल

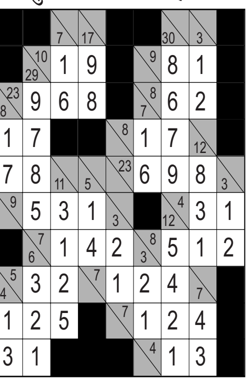

हंसी के फूव्वारें

एक कवि की कविताएं कोई नहीं सुनता था आखिरकार एक दिन जब एक व्यक्ति ने उनकी कविता सुनी तो कवि ने उसका आभार मानते हुए कहा कि 'आप पहले ऐसे महानुभाव है जिन्होंने कि मेरी कविताएं इतने ध्यान से सुनी हैं.'

दूसरा व्यक्ति- 'जरा जोर से बोलिए मैं थोड़ा ऊंचा सुनता हूँ.'

एक कैदी से मिलने जेल में कोई नहीं आता था, यह देख कर जेलर को उस पर दया आ गई उसने कैदी को बुलाकर पूछा कि 'क्या बात है तुमसे मिलने तुम्हारा कोई रिश्तेदार जेल में क्यों नहीं आता है ?'

कैदी- 'क्योंकि साहब वे सब भी तो यहीं ही है !'

दो मित्र आपस में बातें कर रहे थे. एक बोला- 'क्या यह ताज्जुब की बात नहीं कि रमेश के भाग्य ने उसका आखिर तक साथ दिया.'

'वह कैसे ?'

'खाना खाते हुए वह एक मोती निगल गया था.' मित्र ने पूरी बात बताते हुए कहा -'जब उसका ऑपरेशन करके वह मोती निकाला गया तो वह इतना कीमती निकला कि उसकी कीमत से न केवल आपरेशन का बिल ही चुक गया, बल्कि उसका क्रिया-कर्म भी ठाठ से सम्पन्न हुआ.'

फिल्म वर्ग पहेली- 3930

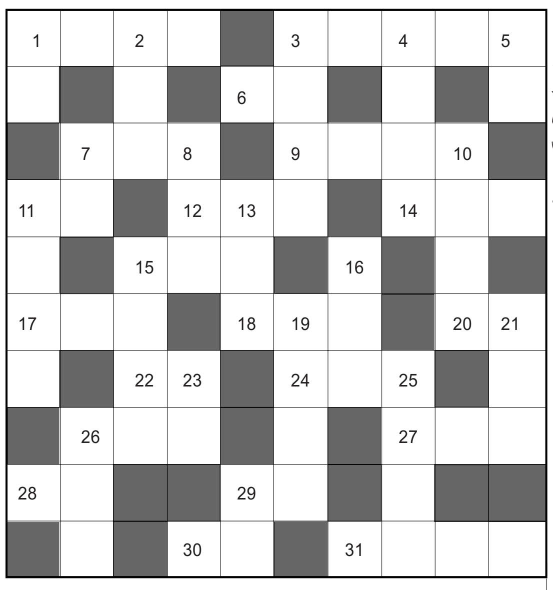

बायें से दायें:-

१. 'तू मिले दिल खिले और' गीत वाली नागार्जुन, रमैया, मनीषा की फिल्म-४
३. राजकपूर, माला की 'आँसू भरी हैं ये जीवन की राहें' गीत वाली फिल्म-५
६. 'केसरिया बालम' गीत वाली श्रेयस तलपदे, आयशा टाकिया की फिल्म-२
७. शाहरूख, माधुरी की 'अठरा बरस की कँवारी कली थी' गीत वाली फिल्म-३
९. 'वो चाँद जैसी' गीत वाली शाहरूख खान, माधुरी, ऐश्वर्या की फिल्म-४
११. जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली फिल्म-२
१२. शॉवर अली, तरूण अरोड़ा, मेघना की फिल्म-३
१४. संजय दत्त, फरहा की 'मेरा प्यार तेरे जीवन के संग' गीत वाली फिल्म-३
१५. विनोद मेहरा, बिंदिया की फिल्म-३
१७. हिमालय, भाग्यश्री की 'तेरा ही प्यार मेरे इस दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१८. फिल्म 'कभी कभी' में ऋषि की नायिका कौन थी-३
२०. अनिल, अक्षय खन्ना, ऐश्वर्या की 'इश्क बिना क्या' गीतवाली फिल्म-२
२२. दिलीप कुमार, रेखा, ममता कुलकर्णी की फिल्म-२
२४. अमिताभ, रेखा की 'कोई गाता मैं सो जात' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'बागां मां जब मोर बोले' गीत वाली अक्षयकुमार, करीना की फिल्म-३
२७. विनोद खन्ना, हेमा की अरूणा राजे द्वारा निर्मित एवं निर्देशित फिल्म-३
२८. 'क्यूं मेरा दिल तुझको' गीत वाली करण नाथ, मनीषा की फिल्म-२
२९. नसीर, ओमपुरी, स्मिता की 'शमशीर बजे ना' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'बंधन' में सलमान का नाम ?-२
३१. फिल्म 'काफी हाउस' में शम्मी कपूर की नायिका ?-२,२

ऊपर से नीचे:-

१. 'दिल ना दिया' गीत वाली फिल्म-२
२. विनोद खन्ना, बिंदू की फिल्म-३
३. 'दो दिल मिल रहे' गीत वाली फिल्म-४
४. विनोद मेहरा, रीना राय की फिल्म-४
५. 'आप से प्यार हुआ' गीत वाली फिल्म-२
७. 'सिर्फ संडे को करती हूँ मैं' गीत वाली अब्बास, शर्बाणी मुखर्जी की फिल्म-२
८. देव आनंद, आशा पारेख की 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'बड़ी दूर से आये हैं प्यार' गीत वाली अनिल घवन, योगिता की फिल्म-४
११. देव आनंद, मधुबाला की 'उन के खयाल आए तो' गीत वाली फिल्म-२,२
१३. 'जब लिया हाथ में हाथ' गीत वाली राजेंद्रकुमार, गीताबाली की फिल्म-३
१५. जयराज, निरूपा की 'ना किसी की आँख का नूर हूँ' गीत वाली फिल्म-२,२
१६. फिल्म 'शिवा' में नागार्जुन के साथ नायिका कौन थी-३
१९. 'लेके पहला पहला प्यार गीत वाली फिल्म-१,२,१
२१. मिथुन, आदित्य, डिम्पल, मंदाकिनी की फिल्म-३
२३. अनिल घवन, रश्मि वर्मा, सोनिका गिल की एक सस्पेंस फिल्म-२
२५. 'पियू बोले जिया' गीत वाली फिल्म-४
२६. बिस्वजीत, माला की 'अजी हो ताश के बावन पत्ते' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'चालबाज' में श्रीदेवी के एक किरदार का नाम अंजू था दूसरे किरदार का नाम ?-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3929

बा	बु	ल		आ	का	श		यु	द्ध
रि		गा	य	ब		र्मी		गां	
श	गु	न		रू	दा	ली		ध	र्म
	स		फू		ग		डो	र	
गु		दि	ल	से		मि	ली		भा
म	शा	ल		ह	म			जं	ग
रा		ज	य	रा	ज		माँ		म
ह	म	ला			बू	म		र	भा
	ह		स	फ	र		दे		ग
य	ल	गा	र			बे	व	फा	

सूडोकु -3930

8	2			6			1	
	6		8	9			7	5
3			1					2
	3		4				6	
6		2		1		4		3
	8				5		2	
2					3			1
5	1			7	6		4	
	9			4			3	6

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3929 का हल

8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5

शब्द पहेली - 3930

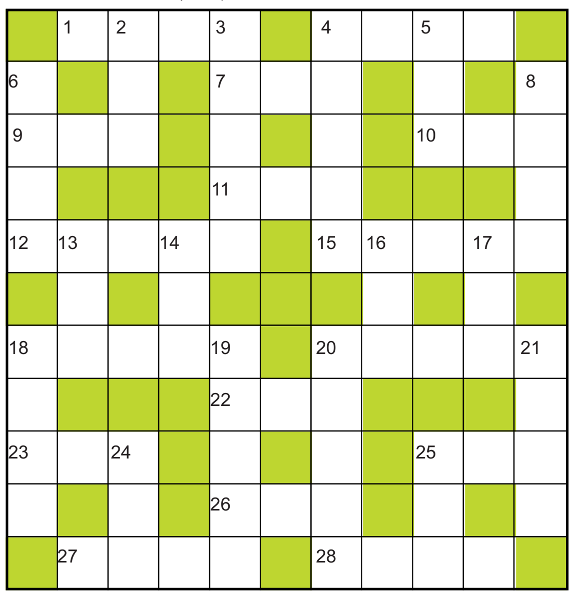

बाएँ से दाएँ

1.बेजोड़-4
4.परिचय,निशान-4
7.कला-3
9.सज्जनता,चरित्र, आदर्श-3
10.प्रथा,रिवाज-3
11.उपस्थिति-3
12.सेन्धमार-5
15.शयनागार,बेडरूम, आरामगाह-3,2
18.तड़के,सुबह सवेरे-5
20.चुगली करना-2,3
22.मैला,गंदा-3
23.रसद,आहर पदार्थ-3
25.प्रणाम,नमस्कार-3
26.तोलने का यंत्र, तकड़ी-3
27.स्थायी,प्राचीन-4
28.हुकूमत,राजगद्दी-4

ऊपर से नीचे

2.मुलाकात,मिलाप-3
3.खून से लथपथ-5
4.लालन-पालन-5
5.सेवक,नौकर,दास-3
6.धोखेबाज-4
8.समान,एक जैसा-4
13.पंकज,जलज-3
14.आघात,चोट-3
16.भरोसा,विश्वास-3
17.कुली,पालकी वाहक-3
18.जुर्म,गुनाह-4
19.स्वदेश वासी-5
20.शतपदी, कनखजूरा-5
21.अहमक, मूर्ख-4
24.स्नान करना-3
25.सम्मान, पगड़ी-3

शब्द पहेली -3929 का हल

	अ	व	का	श		प्र	ति	घा	त	
खु				रा	व	ण				मु
शा		ना	या	ब		य	ती	म		क
म		ह		खा	र	क		ज		र
द	या	क	र	ना		था	ह	मा	प	ना
	प		फ्ता				सी		ठा	
अ	न	व	र	त		म	न	भ	र	ना
नु		रा		म	ध्य	म		र		मा
रो		ह	र्षि	त		ता	ली	म		कू
ध				मा	त	म				ल
	आ	ज	मा	ना		य	ज	मा	न	

हिंदी दैनिक सब का सपना

मनोरंजन

अमरोहा
शनिवार 27 जून 2026
www.sabkasapna.com

'द आर्चीज' मेरे लिए फिल्म नहीं, बल्कि जिंदगी बदल देने वाला मौका थी

अभिनेता वेदांग रैना इन दिनों अपनी फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' को लेकर चर्चा में हैं। इसी बीच अभिनेता ने अपनी डेब्यू फिल्म 'द आर्चीज' को लेकर खुलकर बात की।
बातचीत में वेदांग रैना ने बताया कि 'द आर्चीज' उनके लिए सिर्फ पहली फिल्म नहीं, बल्कि जिंदगी बदल देने वाला मौका थी। अभिनेता ने कहा, 'अगर 'द आर्चीज' मुझे नहीं मिलती, तो शायद मेरी जिंदगी बिल्कुल अलग दिशा में जा रही होती। उस समय मैं नौकरी ढूंढ रहा था और एमबीए के लिए आवेदन करने की तैयारी भी कर रहा था। मैं एक ऐसे मोड़ पर था, जहां मेरा भविष्य कुछ और ही हो सकता था।'
फिल्म रिलीज के बाद सोशल मीडिया पर हुई आलोचना और ट्रोलिंग को लेकर वेदांग ने कहा कि उन्होंने कभी भी इन बातों को खुद पर हावी नहीं होने दिया। उन्होंने कहा, 'सच कहूं तो मैंने उस पूरे अनुभव को कभी उस नजरिए से देखा ही नहीं। मेरे लिए सबसे बड़ी बात यह थी कि मैं पहली बार इतने बड़े स्तर पर स्क्रीन पर नजर आ रहा था और लोग मेरा काम देख रहे थे। मैं उस मौके के लिए बेहद खुश था।'
वेदांग ने साफ कहा कि लोगों की राय अपनी जगह है। लेकिन उनके लिए यह फिल्म सपनों को सच करने वाला मौका साबित हुई। उन्होंने कहा, 'मेरे लिए उस फिल्म का मतलब सिर्फ एक प्रोजेक्ट नहीं था, उसने मेरी पूरी जिंदगी बदल दी। इसलिए मैंने हमेशा उस अनुभव को अच्छे नजरिए से देखा। लोगों की राय अपनी जगह है, लेकिन मेरे लिए सबसे बड़ी बात यह थी कि मुझे ऐसा मौका मिला, जिसने मेरे सपनों को सच कर दिया। आज भी मैं उस मौके के लिए बेहद शुक्रगुजार हूं।'
वेदांग रैना ने यह भी बताया कि 'द आर्चीज' की पूरी स्टारकास्ट आज भी एक-दूसरे के संपर्क में रहती है। हालांकि सभी अपने-अपने काम में व्यस्त हैं। उन्होंने कहा, 'हम टच में हैं। सब लोग बहुत बिजी हो जाते हैं। जब मैं शूट कर रहा होता हूं तो बाकी लोग अपने काम में लगे होते हैं। सबकी अपनी-अपनी जर्नी है, लेकिन हम एक-दूसरे को मैसेज करते रहते हैं। किसी की फिल्म आती है तो उसे बधाई भी देते हैं।' बता दें कि 'द आर्चीज' 7 दिसंबर 2023 को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी।

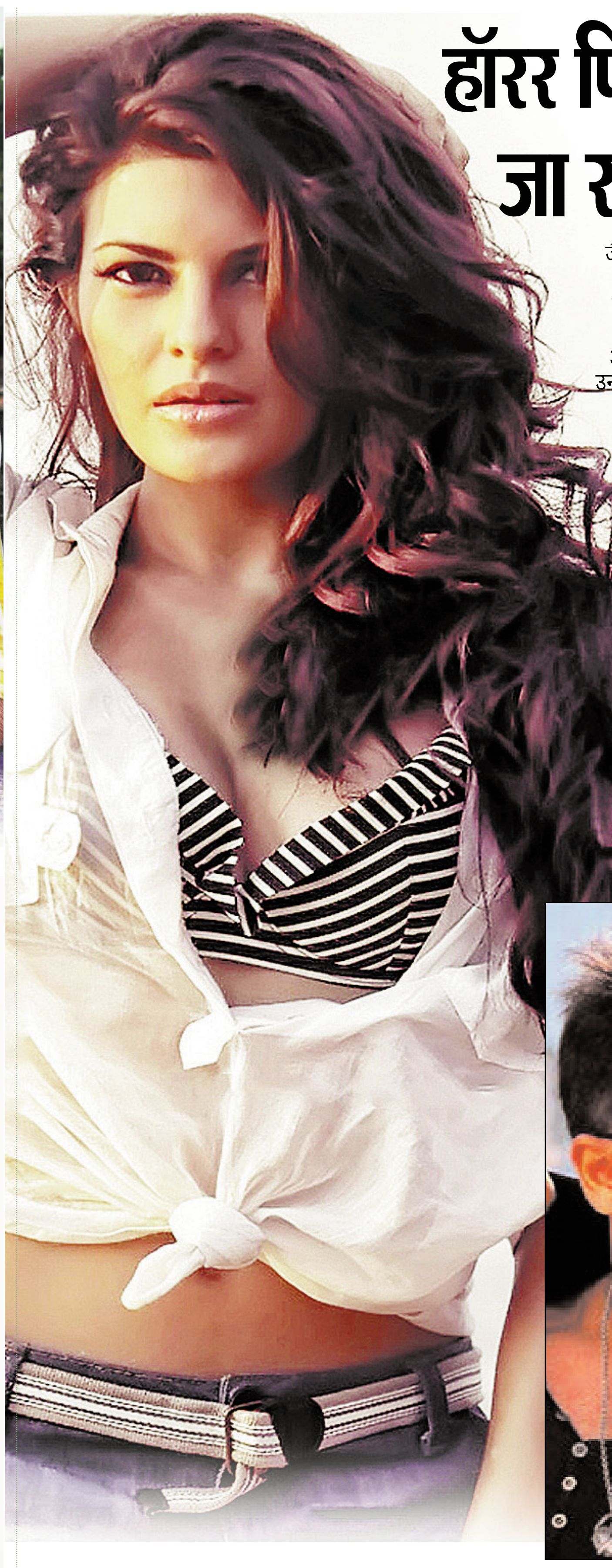

हॉरर फिल्म शैली में कदम रखने जा रही हैं जैकलीन फर्नांडीज

जैकलीन फर्नांडीज जल्द ही अपनी पहली पूर्ण हॉरर फिल्म के साथ इस शैली में कदम रखने जा रही हैं। अभिनेत्री काफी समय से इस जॉनर में एक मजबूत और अलग कहानी की तलाश में थीं और अब उन्हें ऐसा प्रोजेक्ट मिल गया है जिसने उन्हें बेहद उत्साहित कर दिया है। सूत्रों के अनुसार, यह फिल्म हॉरर, इमोशन और म्यूजिक का बेहतरीन मिश्रण होगी, जो दर्शकों को एक संपूर्ण सिनेमाई अनुभव देगी। फिल्म में जैकलीन मुख्य भूमिका निभाएंगी, जबकि दो मेल एक्टर्स को पहले ही फाइनल किया जा चुका है। फिलहाल फिल्म का टाइटल, अन्य कलाकारों के नाम और निर्देशक की जानकारी गुप्त रखी गई है।इस फिल्म का निर्माण ख्याति मदान के बैनर नॉट आउट एंटरटेनमेंट के तहत बड़े स्तर पर किया जाएगा। फिल्म की आधिकारिक घोषणा जल्द ही होने की उम्मीद है।सूत्रों का यह भी कहना है कि फिल्म का एक टीज़र और एक गाना पहले ही शूट किया जा चुका है, जबकि कलाकार इन दिनों वर्कशॉप्स में हिस्सा ले रहे हैं। फिल्म की शूटिंग इस महीने के अंत तक शुरू होने की संभावना है।दिलचस्प बात यह है कि जैकलीन इससे पहले भूत पुलिस में नजर आ चुकी हैं, लेकिन वह एक हॉरर-कॉमेडी फिल्म थी। यह नई फिल्म उनके करियर की पहली पूरी तरह हॉरर फिल्म होगी।वर्क फ्रंट की बात करें तो जैकलीन हाल ही में हाउसफुल 5 में नजर आई थीं और अब वह वेलकम टू द जंगल में दिखाई देंगी, जो 26 जून 2026 को रिलीज होने वाली है।

निर्देशक नेल्सन के साथ काम करना चाहते हैं सूर्या

सुपरस्टार सूर्या इन दिनों अपनी फिल्म 'करुप्पू' की सफलता का जश्न मना रहे हैं। सिनेमाघरों के बाद फिल्म प्राइम वीडियो पर आ चुकी है, जहां इसे लोगों से भरपूर प्यार मिल रहा है। इस बीच, खबर है कि सूर्या अपनी आगामी फिल्मों की तैयारी में जुट गए हैं। ऐसी चर्चा है कि वह अपनी 50वीं फिल्म के लिए निर्देशक नेल्सन दिलीपकुमार के साथ काम करना चाहते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक... 'सूर्या निर्देशक नेल्सन के साथ फिल्म 'सूर्या 50' में काम करने के इच्छुक हैं। बताया जा रहा है कि सूर्या की टीम ने इस कॉमेडी फिल्म में संभावित सहयोग के लिए निर्देशक से संपर्क भी किया है। हालांकि नेल्सन अभी रजनीकांत की फिल्म 'जेलर 2' में बिजी हैं। फिलहाल दोनों के सहयोग की आधिकारिक पुष्टि अभी तक नहीं हुई है।'
सूर्या की अगली फिल्म 'विश्वनाथ एंड संस' हैं। इसमें उनके साथ एक्ट्रेस मामिता बैजू दिखाई आएंगी। यह फिल्म 14 अगस्त को रिलीज होने के लिए तैयार है। बॉक्स ऑफिस पर इसकी टक्कर सनी देओल की आगामी फिल्म 'बटवारा 1947' और इमरान हाशमी की फिल्म 'आवारापन 2' के साथ होगी।

'ढिंढोरा 2' लेकर आएंगे भुवन बाम, शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट 2' का हिस्सा भी बनेंगे

यूट्यबर से एक्टर बने भुवन बाम की वेब सीरीज 'ढिंढोरा 2' जल्द ही दर्शकों को देखने को मिलेगी। इसकी शूटिंग वह इन दिनों कर रहे हैं। इस वेब सीरीज में एक नए किरदार की एंट्री भी होने वाली है। समय रैना के शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट 2' ने भुवन ने अपनी वेब सीरीज की शूटिंग का जिक्र किया। साथ ही समय रैना के शो में आने की बात भी कही।

सोशल मीडिया पर की घोषणा

भुवन बाम ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर शो 'ढिंढोरा 2' की घोषणा की। वह सीरीज के किरदार टीटू मामा के गेटअप में नजर आए। उनके साथ एक महिला किरदार भी खड़ी दिखीं। 'ढिंढोरा 2' में वह इस बार नए किरदार की एंट्री करेंगे। समय रैना के शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट 2' के पहले एपिसोड में भी भुवन बाम ने फोन बताया कि वह 'ढिंढोरा 2' की शूटिंग कर रहे हैं। दरअसल, समय रैना ने एक प्रतियोगी की बात फोन पर भुवन बाम से करवाई थी, वह प्रतियोगी भुवन का बहुत बड़ा फैन था।

'ढिंढोरा 2' को भुवन ने ही लिखा है

'ढिंढोरा 2' को भुवन बाम, अब्बास दलाल, हुसैन दलाल, चेतन डांगे, गोपाल दत्त, शुभम दुबे और अनंत दुबे ने लिखा है। इसे रोहित राज और भुवन बाम ने प्रोड्यूस किया है। इस वेब सीरीज के पहले सीजन को फैंस ने खूब पसंद किया था।
मल्टी टैलेंटेड हैं भुवन बाम
भुवन बाम एक चर्चित कॉमेडियन, एक्टर, राइटर, सिंगर और डिजिटल कंटेंट क्रिएटर हैं। उन्होंने यूट्यूब पर भारत में ऑनलाइन स्केच कॉमेडी की शुरुआत की थी।

रुक्मिणी वसंत के साथ फिल्म बनाने जा रहे हैं नानी

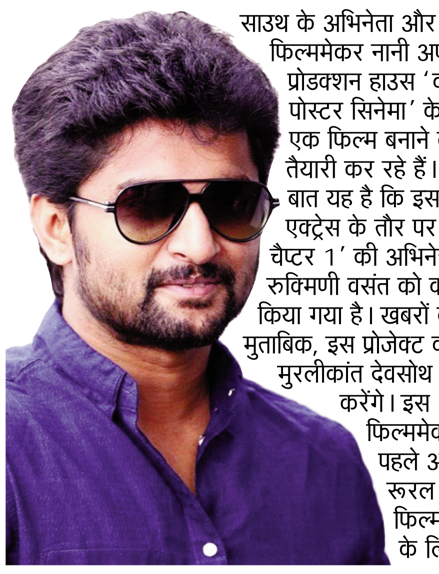

साउथ के अभिनेता और फिल्ममेकर नानी अपने प्रोडक्शन हाउस 'वॉल पोस्टर सिनेमा' के तहत एक फिल्म बनाने की तैयारी कर रहे हैं। खास बात यह है कि इसमें लीड एक्ट्रेस के तौर पर 'कांतारा चैप्टर 1' की अभिनेत्री रुक्मिणी वसंत को कास्ट किया गया है। खबरों के मुताबिक, इस प्रोजेक्ट को मुरलीकांत देवसोथ डायरेक्ट करेंगे। इस फिल्ममेकर को पहले अपनी रूरल ड्रामा फिल्म 'धंडोरा' के लिए तारीफ मिल चुकी है।

स्क्रिप्ट और प्री-प्रोडक्शन का काम जारी

नानी की टीम अभी स्क्रिप्ट और प्री-प्रोडक्शन के दूसरे कामों पर काम कर रही है। सूत्रों का कहना है कि मुरलीकांत कहानी को फाइनल टच दे रहे हैं और साथ ही सपोर्टिंग कास्ट और टेक्निकल क्रू को भी तय कर रहे हैं। मेकर्स फिल्म की शूटिंग शुरू करने से पहले हर पहलू की सावधानी से प्लानिंग कर रहे हैं। इस प्रोजेक्ट के बारे में एक बड़ी अपडेट फीमेल लीड का चुनाव है। खबर है कि हीरोइन के रोल के लिए एक्ट्रेस रुक्मिणी वसंत को चुना गया है। एक्ट्रेस ने फिल्म का हिस्सा बनने के लिए हामी भर दी है। रुक्मिणी अपनी परफॉर्मेंस के लिए चर्चा में रही हैं। खबर है कि इस फिल्म के लिए लीड एक्टर की तलाश अभी जारी है। प्रोडक्शन टीम ऐसे सही एक्टर की तलाश में है जो कहानी में फिट बैठे और किरदार में जान डाल सके। हीरो के तय होने के बाद, मेकर्स के इस प्रोजेक्ट के बारे में ऑफिशियल अनाउंसमेंट करने की उम्मीद है। फिल्म की शूटिंग अगस्त में शुरू होने की संभावना है। तब तक टीम तैयारी जारी रखेगी और जरूरी शुरुआती काम पूरे कर लेगी। चूंकि फिल्म नानी के बैनर तले बन रही है, इसलिए फिल्म प्रेमियों के बीच अभी से उम्मीदें बढ़ रही हैं।

मां बनने के बाद जिंदगी बदल गई है

रुबीना दिलैक ने बताया कि मां बनने के बाद जिंदगी कैसे बदल गई है। उन्होंने कहा कि जीवा और ईधा जुड़वा बेटियों के पालन -पोषण में उन्हें पति अभिनव का पूरा साथ मिला है। उन्होंने बताया- मुझसे तो कई लोगों ने कहा भी कि मां बन जाओगी, तो में लीड रोल नहीं मिलेंगे।

टेलिविजन जगत की मशहूर एक्ट्रेस रुबीना दिलैक को इंडस्ट्री में लंबा अरसा हो गया है, मगर बीते वक्त के साथ वे निखरती चली गई हैं। फिक्शन शोज हों या नॉन फिक्शन अथवा हों रियलिटी शोज, वे हर जगह चमकी हैं। दो जुड़वा बेटियों की मां रुबीना फैशन गोल्स ही नहीं बल्कि फैमिली गोल्स भी सेट करती नजर आती हैं। उनका मानना है कि पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ में संतुलन बनाना चुनौतीपूर्ण जरूर है, मगर असंभव नहीं। इंटरनेट और सोशल मीडिया पर कभी बिकीनी तो कभी अपने सेक्सी कॉस्ट्यूम से रुबीना चर्चा में रहती हैं। खुद को कैसे मेंटेन कर पाती हैं? इस सवाल के जवाब में वे कहती हैं, 'आपको अपने दिमाग और बॉडी को एक खास तरह की फिटनेस के साथ रखना ही पड़ता है, फिर इसके बाद खूबसूरत लगना बायप्रोडक्ट हो जाता है। मैं किसी खास शेप या फिगर के लिए ऐसा नहीं करती। मुझे अपनी एनर्जी हाइ चाहिए और मेरी परफॉर्मेंस पर फर्क नहीं पड़ना चाहिए, इसी वजह से मैं हेल्दी रहना पसंद करती हूं। इसके लिए मैं डिसिप्लिन में रहना पसंद करती हूं।'

शादी में लगा था बहुत हो गया, अब बस

रुबीना और उनके पति अभिनव शुक्ला की शादी कई उतार-चढ़ाव से गुजरी। बिग बॉस 14 में जाने से पहले उनकी शादी तलाक के कगार तक पहुंच गई थी। रुबीना कहती हैं, 'हम अपनी शादी में ये जान चुके हैं कि बॉलिवुड से हमें आइडिया ऑफ लव बेचा गया है। मगर असलियत में वो वैसा नहीं है। प्यार हर रोज का कमिटमेंट है। जब आप सुबह उठते हैं और अपने पार्टनर की आंखों में देखते हैं, तो उनकी तमाम बुराइयों, कमियों और नकारत्मकता के बावजूद आप उनके साथ रहना चाहते हैं, तो वही प्यार है। आपको लगातार रिश्तों पर काम करना पड़ता है। मगर यदि आप ये सोचते हैं कि ये मैं इसके साथ कहां फंस गई, तो फिर उस रिलेशनशिप से तुरंत निकल जाइए। हमारी शादी में अभिनव ने मेरे मामले में कभी हार नहीं मानी। हां मैं कह देती थी, आइ एम डन, बहुत हो गयाा, अब नहीं।' तब अभिनव कहते, 'शांत हो जाओ, थोड़ा सोच लो' अभिनव ने मुझे बहुत संभाला।' सभी जानते हैं कि रुबीना जीवा और ईधा जैसी दो जुड़वा बेटियों की मां हैं, मगर ट्विंस के पालन - पोषण में उन्हें पति अभिनव का पूरा साथ मिला है। वे कहती हैं, 'बच्चों के पालन-पोषण में बहुत पेरेंट्स की पार्टनशिप बहुत जरूरी है और हम उसी तरीके से आगे बढ़ते हैं।'

वो कहते, मां बनने के बाद लीड रोल नहीं मिलेंगे

कई बार मदरहुड महिलाओं के लिए रुकावट भी बन जाता है। मगर क्या एंटरटेनमेंट की दुनिया में भीअभिनेत्रियों को इस समस्या का सामना करना पड़ता है? इस पर रुबीना कहती हैं, 'मैं आपको बताना चाहूंगी कि 60 से 65 प्रतिशत महिलाएं मां बनने के बाद काम रेज्यूम नहीं कर पातीं, क्योंकि उनके पास सपोर्ट सिस्टम नहीं होता। हमने ऐसा कोई इकोसिस्टम भी नहीं बनाया, जहां नई मांएं अपने मदरहुड के साथ करियर भी आगे बढ़ा सकें। हमारी इंडस्ट्री की खासियत ये हैं कि हम काम पर रेज्यूम करना चुन सकते हैं। मगर हमारे काम करने का नेचर ऐसा बन गया है कि लोग आपको लेबल और जज करना शुरू कर देते हैं। जैसे 'मां बन गई है, उम्र दिखने लगी है', 'अलग सी दिखने लगी है', 'अब ये वाले रोल नहीं भाते' तो अब यहां आपको एक बहुत ही पॉजिटिव और एनर्जी वाले माइंडसेट के साथ काम करना है, तो साथ में सुंदर भी लगना है, तो एक अलग तरह का दबाव रहता है। मुझसे तो कई लोगों ने कहा भी कि मां बन जाओगी, तो में लीड रोल नहीं मिलेंगे। डर और इन्सिक्योरिटी दोनों सताते है, मगर आपको उसी के बीच रास्ता तलाशना होता है। मां बनने के बाद मेरे हाथ से बहुत सारा काम और प्रॉजेक्ट्स गए हैं।'

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।